एचएलएल

समन्वया

अंक- 18 मार्च 2014

एचएलएल के प्रयाण पर एक झलक

गोवा एन्टिबायोटिक्स एवं फार्मस्यूटिकल्स लिमिटेड
- एचएलएल की समनुषंगी कंपनी

एचएलएल बायोटेक लिमिटेड (एचबीएल) हरेक भारतीय के लिए किफायती मूल्य पर सुरक्षित एवं प्रभावी वैक्सीन प्रदान करके भविष्य की पीढी को सुरक्षित करता है। एचबीएल चेन्नै के पास चेंकलपेट के अपने कैंपस में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के लिए वैक्सीनों का उत्पादन करने और अन्य नयी पीढी के वैक्सीनों के लिए प्रीमियम सुविधा संस्थापित करने को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ साझेदारी कर रहा है।

टैसिल बायोपार्क कैंपस (मोड्यूल # 013-015), सीएसआईआर रोड , तारामणि, चेन्नै - 600 133
टेलिः अ 91 44-22 55 423/33 पूछताछ @hllbiotech.com visit: www.hllbiotech.com

HBL
Protecting lives

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से

लक्ष्य एवं प्रतीक्षा ही हरेक कार्य को सार्थक बनाता है। हाँ, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड भी वर्ष 2020 में रु. 10000 करोड का सपना देखते हुए विविध प्रकार के नूतन उत्पाद एवं परियोजनायें प्रारंभ करके पूरे राष्ट्र की आम जनता को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करके प्रगति की शंखध्वनि बजाते हुए आगे की ओर प्रयाण करता है। इसका उत्तम दृष्टांत है, एचएलएल- काक्कनाड फैक्टरी में प्रारंभित प्राकृतिक रबड़ आधारित महिला कंडोम विनिर्माण सुविधा, एचएलएल - कनगला फैक्टरी की फार्मा सुविधा - "यूनिपिल", महिलाओं को दिलासा देनेवाले इन्ट्रायूटेराइन डिवाइस - एमिली, हाईकेयर लिमो, मूड्स डियो, नवजात शिशुओं के संरक्षण के लिए शुरू किये नवजात शिशु संरक्षण यूनिट, नया सर्जिकल स्यूचर संयंत्र, हाईकेयर - सी एक्स आदि। यह भी नहीं अत्याधुनिक सुविधावाले एचएलएल - अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, संपूर्ण राष्ट्र की वैक्सीन सुरक्षा को पूरा करने केलिए प्रारंभ किये एचएलएल की समनुषंगी कंपनी एचएलएल बायोटेक लिमिटेड, हाइट्स, ऐरापुरम संयंत्र तथा हाल में अपने अधिकार में लिये एचएलएल की और एक समनुषंगी कंपनी गोवा एंटिबायोटिक्स एवं फार्मस्यूटिकल्स लिमिटेड भी एचएलएल के विजयरथ के और एक मीलपत्थर ही है। एचएलएल ने और एक कदम आगे बढकर, अपने लाभ रहित न्यास हिन्दुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास की सहभागिता से एकीकृत ठोस कचरा प्रबंधन केलिए तिरुवनंतपुरम के कवडियार में शुरू किये "माई सिटी" कार्यक्रम एकदम उल्लेखनीय ही है। इन सभी कार्यों के परिणामस्वरूप एचएलएल को उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार , संरक्षा पुरस्कार, एसएपी पुरस्कार जैसी उपलब्धियाँ भी प्राप्त हुई हैं। इस प्रकार लोगों की स्वास्थ्य रक्षा और समाज सेवा पर विशेष ध्यान देनेवाले एचएलएल राजभाषा हिंदी का प्रोन्नमन अपनी संवैधानिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी समझकर इसका प्रचार - प्रसार करने की आवश्यकता को भली भाँति जानते हुए कंपनी में लगातार वैविद्यपूर्ण हिंदी कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। हम अपने उत्पादों को जनता को परिचित कराने के लिए संगोष्ठी भी हिंदी के माध्यम से आयोजित करते हैं। इसके अलावा बोलचाल हिंदी क्लास, हिंदी म्यूसिक नाइट, हिंदी मेला, कंपनी द्वारा गोद लिये स्कूलों में हिंदी व्याकरण क्लास, बोलचाल हिंदी क्लास हिंदी प्रतियोगितायें आदि चलाते हैं। इन विशेष कार्यकलापों के फलस्वरूप एचएलएल ने आठ बार इंदिरा गाँधी राजभाषा पुरस्कार केलिए हकदार बन कर राजभाषा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम श्रेणी में अपना स्थान जमाया। इसके अतिरिक्त एचएलएल को राजभाषा के सर्वोत्कृष्ट निष्पादन केलिए टोलिक पुरस्कार, राजभाषा प्रदर्शनी के लिए हिंदी प्रचार सभा पुरस्कार भी प्राप्त है।

एचएलएल की राजभाषा पत्रिका है - समन्वया, जिसे कई बार टोलिक (प्रथम स्थान) प्राप्त है। इसमें कंपनी का यथार्थ चित्र अंकित है, साथ ही अपने कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के सृजन भी। इस समन्वया का अठारहवाँ अंक आपके सामने प्रस्तुत करने में मुझे बेहद खुशी है। पाठकों से मैं कामना करता हूँ कि इस पत्रिका को अधिक सारगर्भित, मनमोहक एवं प्रेरणादायक बनाने केलिए आप अपनी प्रतिक्रियाओं एवं बहुमूल्य सुझाओं से सदा हमें अवगत कराते रहें।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

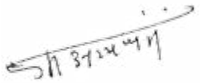

डॉ.एम.अय्यप्पन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

भारत की राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा हिंदी गाँवों में रहनेवाले साधारण लोगों के सोच विचार को अभिव्यक्त करने का आईना है। अतः जनमन को छूने तथा समझने केलिए हिंदी भाषा जानना हरेक केलिए नितांत अपेक्षित है। मात्र नहीं, आज हिंदी भाषा का कैनवास विस्तृत होकर पूरे संसार तक फैल गया है। देश- विदेश तक के विविध आयामों में इसके अध्ययन-अध्यापन का पूरा का पूरा माहौल फलता - फूलता है। हिंदी का अध्ययन आज की माँग बन गयी है। हम जैसी केंद्र सरकार की कंपनी भी यह भाषा जानने की अनिवार्यता को भलीभांति समझकर अपने स्टॉफ के बीच में इसके प्रति रुचि जगाने केलिए कंपनी में विविध प्रकार के हिंदी कार्यक्रम - राजभाषा कार्यशाला, हिंदी सेमिनार, मनोरंजक हिंदी प्रतियोगितायें, स्मरण परीक्षा, हिंदी गीत और फिल्मी सीडियों का वितरण आदि आयोजित कर रहे हैं। इस प्रकार के सभी कार्यक्रमों एवं कंपनी की परियोजनाओं को समाहरित करके एक माध्यम के जरिए हम दूसरों तक प्रेषित करते हैं- वह है हमारी राजभाषा पत्रिका- "समन्वया"। जिसका अठारहवाँ अंक मैं अतीव खुशी के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हूँ। आपसे निवेदन है, इसे अधिक ज्ञानवर्धक, प्रभावपूर्ण एवं ओजस्वी बनाने केलिए आप अपने बहुमूल्य सुझावों से हमें अनुगृहीत करें।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

पी. श्रीकुमार
कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त)

पाठकों की ओर से

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
द्रव नोदन प्रणाली केंद्र
वलियमला पोस्ट, तिरुवनंतपुरम - 659 547, भारत

Government of India
Department of space
Liquid Propulsion Systems Centre
Valiamala.P.O, Thiruvananthapuram - 659 547 India

सं.हिअ/11.02/2014

हिंदी अनुभाग,
24.03.2014

सेवा में

श्री पी.श्रीकुमार
कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त)
एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड
तिरुवनंतपुरम - 695 012

महोदय,

विषयः- "समन्वया" के सत्रहवाँ अंक की प्राप्ति।

आपके कंपनी की राजभाषा पत्रिका "समन्वया" का सत्रहवाँ अंक मिला। धन्यवाद। पत्रिका का कलेवर, साज-सज्जा बडे ही सुंदर बन पडे हैं। पत्रिका का संपादन भी बहुत ही अच्छा है। आशा है समन्वया भविष्य में इसी प्रकार अपने आकर्षित कलेवर एवं पाठन सामग्री के साथ छपती रहेगी। आगामी अंकों केलिए शुभकामनाओं सहित।

भवदीय
दत्तन
(एम सी दत्तन)
निदेशक

प्रसार भारतीः PRASAR BHARATHI
(भारत का लोक सेवा प्रसारकःINDIA'S PUBLIC SERVICE BROADCASTER)
आकाशवाणी, तिरुवनंतपुरमःALL INDIA RADIO, THIRUVANANTHAPURAM - 695 014
(Tel/Fax No.0471-2325009)(E-Mail: mail@airtvm.com)

सं.टी.वी.एम./29(3)2014/हि.अ.(पावती)1751

सेवा में

प्रबंध निदेशक,
एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड
एचएलएल भवन, पूजप्पुरा
तिरुवनंतपुरम - 695 012

विषयः- राजभाषा पत्रिका "समन्वया" के सत्रहवाँ अंक की पावती।

महोदय/sir,

आपके कार्यालय से भेजे गए "समन्वया" नामक पत्रिका के सत्रहवाँ अंक हमें प्राप्त हुआ। सहयोग केलिए धन्यवाद। राजभाषा हिंदी के प्रचार -प्रसार में एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड द्वारा किए जा रहे प्रयत्न अत्यंत सराहनीय है। आठवीं बार इंदिरा गाँधी राजभाषा शील्ड लेना, प्रयत्न का अच्छा फल ही है।

आपके कार्यालय से आगे भी इसी तरह के सहयोग की प्रतीक्षा है।

भवदीया/Yours faithfully

(पि.ए.उषा/P.A.Usha)
सहायक निदेशक(रा.भा)/Assistant Director (O.L.)
कृते अपर महा निदेशक (का)/ For Additional Director General (P)

एचएलएल

समन्वया

हिंदी पखवाडा समापन समारोह..... 07
राजभाषा सम्मेलन..... 12
एचएलएल के प्रयाण पर एक झलक
गोवा एंटीबायोटिक एवं फार्मस्यूटिकल्स लिमिटेड 13
एचएलएल टालेंट एक्स्पो - 2014 14
एचएलएल - अकादमी - थिंक टैंक 15
एचएलएल - मेडिका 16
एचएलएल - रेनाटा के साथ भागीदारी 16
ईएसआई अस्पताल का निर्माण 17
एचएलएल अनुसंधान एवं विकास केंद्र को वैश्विक मान्यता 17
उद्योग पर संसदीय समिति का निरीक्षण 18
वाक्पटुता कार्यक्रम में पुरस्कृत लेख -एचएलएल की परियोजनायें 19
राजभाषा सेमिनार में पुरस्कृत लेख..... 24
वार्षिक नियोजन कार्यशाला 27
लैंगिक उत्पीडन पर निवारण समिति 28
बालशिबिरम 30
रिक्रियेशन क्लब के कार्यकलाप 32
अखबारों में एक नज़र 33
उपलब्धियाँ 34
लेख प्रतियोगिता में पुरस्कृत लेख 36
मुलाकात 38
एचएलएल गीत 39
हार्दिक बधाइयाँ 40
ताज़ा खबर 41
पुरस्कार वितरण पर एक नज़र 43

समन्वया

समन्वया संपादक मंडल

संरक्षक डॉ.एम. अय्यप्पन, अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, संपादक श्री पी. श्रीकुमार, कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त), सहायक श्री राजेश.टी.दिवाकरन,उप महा प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार), डॉ.वी.के.जयश्री, उप महा प्रबंधक (हिंदी), डॉ. सुरेष कुमार. आर , सहायक प्रबंधक (राजभाषा) डिजाइनिंग साईकिल वर्क्स, तिरुवनंतपुरम, संपादकीय सहायक आशा.एम, शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना. एल मुद्रक फाइव स्टार ऑफसेट प्रिंटर्स, कोचिन। समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने है, इससे एचएलएल लाइफ़केयर का कोई संबंध नहीं है। एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाष: 2354949 वेब : www.lifecarehll.com

फैक्स: 0471-2358890 अंक - 18 मार्च 2014

संपादित एवं प्रकाशितः हिंदी विभाग, तैयारकर्ता - कॉर्पोरेट संचार विभाग, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (केवल मुफ्त परिचालनार्थ)

हिंदी पखवाड़ा - समापन समारोह

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जो विभिन्न संस्कृतियों को जोडने तथा विविध भाषा - भाषी लोगों के बीच में अपनी तालमेल लाने की सशक्त कडी है। अतः इस आसान भाषा का प्रचार -प्रसार करना अत्यंत आवश्यक भी है।

केरल के सम्माननीय राज्यपाल श्री निखिल कुमार जी के करकमलों से दिनांक 8 अक्तूबर 2013 को प्रज्ज्वलित दीपों से शुभारंभित एचएलएल के हिंदी पखवाडा का समापन समारोह 17 दिसंबर 2013, अपराह्न 2.30 बजे को एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केंद्र में संपन्न हुआ। इसका उद्घाटन केरल परिमंडल, तिरुवनंतपुरम के आदरणीय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्रीमती शांति.एस. नायरजी द्वारा किया गया।

समारोह के अध्यक्ष की भूमिका कंपनी के आदरणीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम. अय्यप्पन जी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हम कंपनी के राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में बढावा देने केलिए लगातार वैविद्यपूर्ण कार्यकलाप आयोजित कर रहे हैं। जिससे हम भी सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक स्तर के अधिकारियों/ कर्मचारियों को अपना काम हिंदी में करने केलिए अपेक्षित प्रशिक्षण मिलते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त प्रथम स्थान आगे भी बनाये रखने केलिए हरेक स्टॉफ से हिंदी में काम करने की अपील की।

आदरणीय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्रीमती शांति.एस. नायर जी ने समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा , " हिंदी एक ऐसी भाषा है, जो विभिन्न संस्कृतियों को जोडने तथा विविध भाषा - भाषी लोगों के बीच में अपनी तालमेल लाने की सशक्त कडी है। अतः इस आसान भाषा का प्रचार -प्रसार करना अत्यंत आवश्यक भी है। इस भाषा की आवश्यकता का महसूस मुझे कई बार हुआ है । बाहर आयोजित राजभाषा प्रदर्शनी और यहाँ रखे पुरस्कारों से मुझे पता चलता है कि कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन में आप अतीव दत्तचित्त हैं। आप का यह काम एकदम विचारणीय है, उन्होंने आगे कहा, टोलिक के हरेक कार्यक्रमों में आपका सहयोग जरूर मिलता रहता है, यह अतीव खुशी की बात भी है। "

इस अवसर पर आदरणीय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल द्वारा हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं , एसएसएलसी/ प्लस टु/डिग्री परीक्षाओं में ए ग्रेड/90 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त कर्मचारियों के बच्चों एवं स्मरण परीक्षा के विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किये गये।

हिंदी पखवाडा के समापन समारोह में उद्घाटन भाषण देती है -श्रीमती शांति.एस.नायर, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल।

आगे, डॉ. के. आर.एस. कृष्णन , निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री. आर.पी. खण्डेलवाल, निदेशक (वित्त) और श्री पी. श्रीकुमार, कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त) ने क्रमशः अशीर्वाद भाषण, स्वागत एवं धन्यवाद भाषण का काम संभाला। बाद में आयोजित हिंदी म्यूसिक नाइट में 30 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके बच्चों ने अपने गीतों से इस समारोह को अत्यंत उज्ज्वल बना दिया। म्यूसिक नाइट में एचएलएल के अधिकारियों के म्यूसिक क्लब "सोनाटा" के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिए। वास्तव में इनके पुराने ज़माने के गीत श्रोताओं को भी बीती यादों की ओर ले गये। आदरणीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन, सम्माननीय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्रीमती शांति.एस. नायर और एचएलएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण ने लंबे समय तक इस म्यूसिक नाइट में बैठकर गायकों को प्रोत्साहित किया। आगे, भी इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने केलिए प्रोत्साहित करने की ओर इसमें भाग लिये सभी गायकों को स्मृतिचिह्न भी कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त) , श्री पी. श्रीकुमार द्वारा प्रदान किये गये।

एचएलएल-कनगला फैक्टरी

एचएलएल की कनगला फैक्टरी में 1.9.2013 से 15.9.2013 तक हिंदी पखवाड़ा समारोह सजधज से आयोजित किया गया। श्री के.वी. कामत, यूनिट प्रधान की अध्यक्षता में आयोजित समारोह का उद्घाटन डॉ. जयशंकर यादव, वरिष्ठ हिंदी प्रोफसर, हिंदी शिक्षण योजना, बेलगाम और सदस्य सचिव, टोलिक ने भद्रदीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर उन्होंने राजभाषा हिंदी की स्वीकार्यता की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। आगे उन्होंने एस एस एल सी/सी बी एस ई, प्लस-टु परीक्षाओं में हिंदी विषय में 90% या अधिक अंक प्राप्त कर्मचारियों के बच्चों को नकद पुरस्कार प्रदान किए। श्री के.वी.कामत, यूनिट प्रधान ने अध्यक्ष भाषण तथा श्री डी.एन.हेगडे, महा प्रबंधक (वित्त), श्री ए.एम.मुल्ला, महा सचिव, लैटेक्स कर्मचारी संघ फैडरेशन ने आशीर्वाद भाषण दिया।

एचएलएल - कनगला फैक्टरी में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं में भाग लिये बच्चे।

एचएलएल- नोएडा

आगे, नोएडा कार्यालय में 14-28 सितंबर, 2013 तक हिंदी पखवाड़ा समारोह धूमधाम से मनाया गया। इसका उद्घाटन आदरणीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जी बी) श्री एस.एन.सात्तु द्वारा किया गया। उन्होंने अपने भाषण में हिंदी कार्यान्वयन और हिंदी पखवाड़ा समारोह को आयोजित करने की आवश्यकताओं को व्यक्त किया। 23 सितंबर को "शब्दार्थ (अंग्रेज़ी से हिंदी), हिंदी निबंध, कविता पाठ" जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इन में 21 कर्मचारियों ने भाग लिया। समापन समारोह के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए श्री एस.एन.सात्तुजी ने कार्यालय में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने की अपील की।

एचएलएल में टोलिक बैठक

एचएलएल की पेरूरकडा फैक्टरी, तिरुवनंतपुरम में आयोजित टोलिक बैठक में सम्माननीय मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल केरल सर्किल एवं टोलिक की अध्यक्ष श्रीमती शांति.एस.नायरजी ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने अपने भाषण में व्यक्त किया कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा है। अतः इसके प्रयोग को बढावा देना हम सबकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। आगे उन्होंने विविध सदस्य कार्यालयों के अध्यक्षों से अपील की कि हरेक कार्यालय के राजभाषा कार्यान्वयन में लगातार वृद्धि लाने केलिए हिंदी में भी कार्य करने केलिए थोडा समय निकालें। साथ ही समिति तो समय पर तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले कार्यालयों की संख्या में हुई वृद्धि पर अपनी खुशी भी प्रकट की।

इस अवसर पर श्री पी.विजयकुमार, सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) , क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय,राजभाषा विभाग, कोच्चि ने सदस्य कार्यालयों से प्राप्त तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और पायी गई कमियों को सुधारने का अनुदेश दिया। आगे एचएलएल के कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त) श्री पी.श्रीकुमार तथा मुख्य पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय के सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं टोलिक का सदस्य सचिव श्री मोहन चौधरी ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद भाषण दिया।

हरेक केन्द्र सरकारी कार्यालय के हिंदी कार्यान्वयन का मूल्यांकन करने केलिए स्थापित है टोलिक यानी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति। तिरुवनंतपुरम टोलिक अपने सदस्य कार्यालयों के राजभाषा प्रोन्नमन में अतीव प्रमुखता देकर विविध प्रकार की हिंदी प्रतियोगितायें,राजभाषा कार्यशाला,हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण जैसे वैविद्यपूर्ण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिन में एचएलएल के अधिकारी/कर्मचारी भाग ले रहे हैं।

अग्रणी अनुभाग पुरस्कार

एचएलएल के निगमित मुख्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। प्रातःकाल आठ बजे को कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन ने झंडा फहराकर गणतंत्र दिवस का संदेश दिया। बाद में,सर्वोत्कृष्ट तौर पर हिंदी में काम किये अनुभाग के लिए लगाये गये **अग्रणी अनुभाग पुरस्कार** के लिए चुन लिये गये निगमित मुख्यालय के सुरक्षा विभाग के लिए मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री एम.मधु ने कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के करकमलों से यह पुरस्कार हासिल किया। अपना शासकीय काम मूल रूप से हिंदी में किये कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डॉ. एम.अय्यप्पन ने पुरस्कार वितरित किये। आगे, हिंदी पखवाडा समारोह के अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा पुरस्कार दिये गये। इसके अलावा उत्कृष्ट रूप से हिंदी में काम करने वाले विभागों को प्रोत्साहित करने की ओर कंपनी में लगाये नकद पुरस्कार भी मानव संसाधन विभाग, आईटी विभाग, सचिवालयीन विभाग और कॉर्पोरेट संचार विभाग को डॉ.एम.अय्यप्पन द्वारा प्रदान किया गया।

एलएमएस स्कूल वट्टप्पारा में पुरस्कार वितरण

एचएलएल के हिंदी पखवाडा समारोह के बीच कंपनी द्वारा गोद लिये करकुलम पंचायत के स्कूलों (एलएमएस हायर सेकंडरी स्कूल, कष्नाड यु.पी स्कूल, करकुलम यु पी स्कूल, वोकेशनल हायर सेकंडरी स्कूल, करकुलम)के विद्यार्थियों केलिए आयोजित वक्तृता, कविता पाठ, निबंध लेखन हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र 28 मार्च 2014 को एलएमएस हायर सेकंडरी स्कूल के सभागार में आयोजित समारोह के अवसर पर एचएलएल के कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त) श्री पी.श्रीकुमार, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), श्री के. विनयकुमार, सह उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) श्रीमती सरस्वती देवी एवं उप महा प्रबंधक (हिंदी) डॉ. वी.के.जयश्री द्वारा वितरित किये गये । एलएमएस हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य श्रीमती लैला टीचर ने सभागार में उपस्थित सभी का हार्दिक स्वागत किया। इस समारोह का उद्घाटन कंपनी सचिव श्री पी. श्रीकुमार ने किया। उन्होंने अपने भाषण में आज के ज़माने में विद्यार्थी हिंदी पढने की आवश्यकता और इस के लिए एचएलएल द्वारा किये जा रहे कार्यों को व्यक्त किया। समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों ने आशीर्वाद भाषण दिया।

राजभाषा सम्मेलन में भागीदारी

हम, अपनी तौर पर राजभाषा सम्मेलन आयोजित करने के अतिरिक्त मंत्रालय तथा अन्य गैर संस्थाओं द्वारा आयोजित किये जानेवाले राजभाषा सम्मेलन/सेमिनारों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण -पश्चिम) द्वारा 10 फरवरी 2014 को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, सी एस आई आर कैंपस, तारामणी, चेन्नै में दक्षिणी क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस में कंपनी के उप महा प्रबंधक (हिंदी) डॉ.वी.के.जयश्री, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. सुरेष कुमार.आर और एचएलएल के केन्द्रीय विपणन कार्यालय, चेन्नै के हिंदी अनुवादक श्रीमती कार्तिका जयकुमार की भागीदारी हुई।

आगे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में 12-13 फरवरी 2014 तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,नई दिल्ली में आयोजित तीसरे राजभाषा सम्मेलन में कंपनी के उप महा प्रबंधक (हिंदी) डॉ.वी.के. जयश्री और एचएलएल - नोएडा कार्यालय के हिंदी अनुवादक श्रीमती शालु शर्मा ने भाग लिया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में राजभाषा हिंदी, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी आदि विषयों पर चर्चा हुई।

●

राजभाषा प्रशिक्षण

कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में काम करने को प्रेरणा देने तथा राजभाषा नीति एवं अद्यतन सूचनाओं के प्रति जागरूक करने को लक्ष्यकर हम प्रति महीने अपने यूनिट में राजभाषा प्रशिक्षण आयोजित कर रहे हैं। 6 मार्च 2014 को एचएलएल - नोएडा कार्यालय में आयोजित किये राजभाषा प्रशिक्षण में सहायक निदेशक (राजभाषा), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गृह मंत्रालय, कोच्चिन श्री पी. विजयकुमार ने क्लास लिया। इस अवसर पर उन्होंने राजभाषा अधिनियम एवं नियमों के प्रति कर्मचारियों को अवगत कराया। साथ ही दैनिक कार्य में हिंदी का प्रयोग अमल करने की तरीका पर भी प्रकाश डाला। नोएडा के यूनिट प्रधान एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष (जीबी) ने श्री पी.विजयकुमार का स्वागत किया। उन्होंने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग के महत्व को व्यक्त किया। इस कार्यशाला में नोएडा कार्यालय के विभिन्न विभागों से 28 अधिकारी / कर्मचारियों ने भाग लिया। यह कार्यशाला नोएडा के हिंदी कार्यान्वयन को बढावा देने में सक्षम बन गया।

केन्द्रीय विपणन कार्यालय - चेन्नै में 24 मार्च 2014 को चलाये गये राजभाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री टी. राजशेखर, उपाध्यक्ष (विपणन) ने किया। इस कार्यशाला के संकाय सदस्य थे श्री ए. श्रीनिवासन, दक्षिण रेलवे पेरम्बूर। उन्होंने हिंदी भाषा की उत्पत्ति तथा केन्द्र सरकारी कार्यालयों में इसको कार्यान्वित करने की आवश्यकता को व्यक्त किया । साथ ही राजभाषा नीति तथा टिप्पण एवं आलोखन करने की तरीके के बारे में भी कर्मचारियों को अवगत कराया। उन्होंने जोडा कि भाषा हमारी संस्कृति से सीधे तौर पर जुडी हुई है। अतः अपनी संस्कृति पूरे विश्व के लोगों तक प्रेषित करने केलिए हिंदी भाषा का प्रचार अत्यंत आवश्यक ही है।

नोएडा कार्यालय में आयोजित हिंदी कार्यशाला में श्री पी. विजयकुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गृह मंत्रालय, कोच्चिन और श्री एस. एन. सात्तु, नोएडा के यूनिट प्रधान।

हिंदी पखवाडा समारोह के सिलसिले में यूनिट में आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं का पुरस्कार वितरण भी इस अवसर पर श्री ए.श्रीनिवासन द्वारा किया गया। यूनिट के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों से संपन्न इस कार्यक्रम में श्री शौविक घोष, उप महा प्रबंधक और श्रीमती कार्तिका जयकुमार- हिंदी अनुवादक ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता का कार्य संभाला।

बाद में एचएलएल-कनगला फैक्टरी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम से पच्चीस स्टॉफों ने लाभ उठाया। इस कार्यशाला का उद्घाटन कनगला फैक्टरी के यूनिट प्रधान ने किया। मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय से सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री एन.सोमदत्तन ने क्लास संभाला। उन्होंने राजभाषा नीति के विभिन्न पहलुओं एवं हिंदी में काम करने की तरीका को व्यक्त किया।

राजभाषा सम्मेलन

राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन और प्रोन्नमन हर नागरिक तथा हम जैसे केन्द्र सरकार के कार्यालयों केलिए सामाजिक एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व है। अतः विश्व पटल पर विराजित इस भाषा की उत्तरोत्तर वृद्धि एवं कंपनी के प्रत्येक कर्मचारियों के मन में इसका परिवेश लाने की दृष्टि से हम हर साल कंपनी से संबंधित विषय पर अपने कर्मचारी या तिरुवनंतपुरम के कॉलेज विद्यार्थियों या टोलिक सदस्य कार्यालयों के सदस्यों केलिए राजभाषा सेमिनार या सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। इससे हमारा उद्देश्य है- कंपनी के बारे में अपने कर्मचारियों एवं बाहर के लोगों को सही जानकारी प्रेषित करना।

विद्यमान वर्ष में भी हमने "जनता की स्वास्थ्य रक्षा में एचएलएल की भूमिका" विषय पर एक राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया । 21 मार्च 2014 को एचएलएल की पेरूरकडा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्मशताब्दी स्मारक कल्याण केन्द्र में आयोजित राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा के कार्यकारी सदस्य एवं पूर्व हिंदी विभागाध्यक्षा, केरल विश्वविद्यालय डॉ.एस.तंकमणि अम्मा ने भद्रदीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने कहा कि संपर्क भाषा के रूप में हिंदी ने भारत में मात्र नहीं पूरे विश्व में अपना स्थान जमायी है। दक्षिण अफ्रिका के जोहन्नस बर्ग की एक बस्ती के विभिन्न भाषा - भाषी लोग अपनी संपर्क भाषा के रूप में हिंदी भाषा का उपयोग करते हैं। यह भी नहीं संयुक्त राष्ट्र संघ में भी हिंदी को विशेष स्थान होनेवाला है। इससे हमें अपनी राष्ट्रभाषा के महत्व का पता मिलता है। उन्होंने जोडा, हिंदी भारत की संस्कृति एवं हमारी पहचान का द्योतक है। आगे उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में एचएलएल द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना भी की।

श्री के. विनयकुमार, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) एचएलएल ने इस सम्मेलन की अध्यक्षता की। श्री पी. श्रीकुमार, कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त) एवं श्री मोहन चौधरी, टोलिक सदस्य एवं सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल कार्यालय, केरल परिमंडल, तिरुवनंतपुरम ने आशीर्वाद भाषण का काम संभाला। डॉ. वी.के.जयश्री, उप महा प्रबंधक (हिंदी) तथा डॉ. सुरेशकुमार. आर सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता व्यक्त किया। इस राजभाषा सम्मेलन में कंपनी के विविध यूनिटों से 40 अधिकारी/ कर्मचारियों ने भाग लिया और सात कर्मचारियों ने पेपर प्रस्तुत किया। श्री मोहन चौधरी, टोलिक सदस्य ने निर्णायक की भूमिका निभायी।

इस राजभाषा सम्मेलन में श्रीमती पी. इंदिराम्मा, अधिकारी 4, पेरूरकडा फैक्टरी को प्रथम स्थान, श्रीमती एस.वी.बानु, वरिष्ठ प्रबंधक, पेरूरकडा फैक्टरी एवं श्री पी. वी. पाटील, एस जी 3, कनगला फैक्टरी को द्वितीय स्थान तथा श्री ए.एम.मुल्ला,एस जी 4, कनगला फैक्टरी एवं श्रीमती रेचल जेकब, अधिकारी 4, पेरूरकडा फैक्टरी को तृतीय स्थान मिला।

हिंदी भारत की संस्कृति एवं हमारी पहचान का द्योतक है। संपर्क भाषा के रूप में हिंदी ने भारत में मात्र नहीं पूरे विश्व में अपना स्थान जमायी है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भी हिंदी को विशेष स्थान होनेवाला है।

गोवा एन्टिबायोटिक्स एवं फार्मस्यूटिकल्स लिमिटेड

एचएलएल के प्रयाण पर एक झलक

गोवा एन्टिबायोटिक्स एवं फार्मस्यूटिकल्स लिमिटेड
(जी ए पी एल)

गोवा एंटिबायोटिक्स एवं फार्मस्यूटिकल्स लिमिटेड (जी ए पी एल) वर्ष 1980 को हिंदुस्तान एंटिबायोटिक्स लिमिटेड (एच ए एल) पूर्ण और ई डी सी लिमिटेड (गोवा सरकार का उद्यम) के संयुक्त उद्यम के रूप में प्रारंभित एक राज्य सार्वजनिक उद्यम है। 19 मार्च, 2014 को जी ए पी एल का 74 प्रतिशत शेयर एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड को स्थानांतरित किया गया और जी ए पी एल इस प्रकार एचएलएल की समनुषंगी कंपनी बन गयी।

जी ए पी एल के अत्याधुनिक सुविधावाले विनिर्माण संयंत्र को जी एम पी मानक है। इसका पंजीकृत कार्यालय और फार्मा विनिर्माण सुविधा उत्तर गोवा के पेर्नम तलुका के ड्यूम गाँव में 8.4 हेक्टर में स्थित है। जी ए पी एल को राजस्थान में आयुर्वेदिक और होमियोपथिक उत्पादों के लिए विनिर्माण सुविधा है। कंपनी गोवा राज्य में फुटकर फार्मसी आउट लेट भी चलाती है। जी ए पी एल के अधीन फार्मा, आयुर्वेदिक, यूनानी और होमियोपथिक उत्पादों की विनिर्माण श्रृंखला है।

फार्मा उत्पाद श्रेणी में विविध थेराप्यूटिक ग्रूप शामिल हैं - सेफालोस्पोरिन एंटिबायोटिक्स, पेंसिल एंटिबायोटिक्स, एंटि-डायबेटिक्स, कार्डियोवास्कुलार उत्पाद, एंटि-डायबेटिक्स, एंटि-बैक्टीरियल, एंटि-मलेरियल, एंटि-फंगल, एंटि- ट्यूबेरकुलार औषध, एंटि प्रोटोज़ोन, एंटि हेल्मिनथेस, नॉन स्टिरोइडल, एंटि इन्फ्लमेटरी औषध, नरकोटिक अनालजेसिक्स, मुकोलिटिक, सिडेटीव एवं ट्रानक्विलाइसर, एंटिमेटिक, एंटि-अलेर्जिक, एच 2 ब्लोकेर्स और अलसर हीलिंग औषध, खांसी सिरप, न्यूट्रिशनल सप्लिमेंट्स आदि।

आयुर्वेदिक और यूनानी उत्पादों की कोटि में रसायन, चुरान, बासमा, पिस्टि, आसवारिष्ट,गुटिका, लौहामंदूर, खाँसी सिरप, मरहम, मेडिकेटड ऑयल तथा थेरैपिक ग्रूप में एंटिपाइस्ल, मूत्र मार्ग संक्रमण,एंटिपाइरेटिक्स, सेडक्टीव्स, एंटिचोलेस्ट्राल, किड्नी स्टॉन थेरापी, लिवर टोनिक, एंटि-डायबेक्टिक्स और होमियोपथिक औषध खंड में मदर में टिंचर, बायो - केमिक, बायो कॉम्बिनेशन, मरहम और तेल आते हें।

31.3.2013 के गणना के अनुसार जी ए पी एल में 205 कर्मचारी हैं। दरअसल जी ए पी एल का सम्मिलन एचएलएल लाइफ़केयर की उन्नति के प्रयास का और एक मील पत्थर ही है।

ऐरापुरम फैक्टरी

संपूर्ण राष्ट्र की आम जनता की स्वास्थ्यरक्षा पर केंद्रित एचएलएल ने, देश के कंडोम की बढती माँग को ध्यान में रखकर, कंपनी के कंडोम के उत्पादन क्षमता को बढाने की ओर रबर पार्क, ऐरापुरम में अपना आठवाँ यूनिट खोलने का पहला चरण शुरू किया। 8 सितंबर 2013 को रबड़ पार्क, ऐरापुरम में आयोजित समारोह के अवसर पर एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने इस 300 दशलक्ष अदद कंडोम मॉल्डिंग यूनिट परियोजना का लॉचिंग किया। इस अवसर पर निदेशक(विपणन) श्री के.के. सुरेष कुमार, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) डॉ.के.आर.एस.कृष्णन,एचएलएल-काक्कनाड फैक्टरी का यूनिट प्रधान श्री सजीव जोसफ, एचएलएल अकादमी का यूनिट प्रधान श्री जी.श्रीकुमार, कार्यपालक निदेशक (आईपी) श्री रविकुमार और कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी इस समारोह में उपस्थित थे।

एचएलएल - टालेंट एक्स्पो - 2014

तिरुवनंतपुरम के कवडियार वार्ड को कचरा से मुक्त करने के लक्ष्य से एचएलएल द्वारा नियोजित कचरा प्रबंधन प्रसंस्करण परियोजना 'मई सिटी' और 'कंपनी को पहचानना' नामक जागरूकता पद्धति के तत्वावधान में एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड द्वारा 1 फरवरी 2014 को एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के रिक्रियेशन क्लब हॉल में आयोजित 'एचएलएल - टालेंट एक्स्पो' का उद्घाटन एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन ने भद्रदीप जलाकर किया। उन्होंने अपने भाषण में व्यक्त किया कि ठोस कचरा प्रबंधन के लिए कवडियार वार्ड में प्रारंभित ' मई सिटी ' परियोजना का सठीक कार्यान्वयन हमारे लिए अत्यंत जरूरी है, क्योंकि आज तिरुवनंतपुरम ही नहीं पूरे केरल केलिए एक ललकार ही है कचरा प्रबंधन की समस्या।

इसको हल करने का कार्य हमने अपने कंधों पर ले लिया है। इस समस्या का हल हरेक को अपने घर में ही प्रारंभ करना चाहिए। साथ ही उन्होंने जोडा, वास्तव में यह 'टालेंट एक्स्पो ' अपने कर्मचारियों एवं उनके परिवार वालों की दक्षता को प्रदर्शित करने का एक मंच या अवसर ही है। आज यह देख कर हमें पता चलता है कि हमारे कर्मचारियों के भीतर छिपी हुई सर्गवासना क्या है। टोस कचरा से निर्मित ये चीजें कितना सुन्दर लगता है। आगे भी हम इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करेंगे। यह कार्यक्रम निश्चय ही हमारे कर्मचारियों को एकदम प्रेरणादायक रहेगा ।

कंपनी के कर्मचारियों और उनके परिवारवालों की रचनायें, चित्रों, फोटोग्राफ, प्रकाशन सामाग्रियाँ, शिल्प आदि का प्रदर्शन इस 'टालेंट एक्स्पो' में आयोजित किया है। नवीनता एवं विविधता से इस कार्यक्रम अत्यंत आकर्षक बन गया। अपशिष्ट पदार्थों से निर्मित हस्तशिल्प वस्तुयें, आभूषण, वस्त्र, अन्य उपयोगी चीजें, फोटो एवं चित्रों का प्रदर्शन , घर में ही कचरा का प्रसंस्करण करने की तरीका, एचएलएल के उत्पाद आदि के विविध स्टाल इस सर्गम हॉल में सुसज्जित किये गये। इन में ठोस कचरा प्रसंस्करण से संबंधित चीजें इस एक्स्पो का प्रमुख आकर्षक घटक था। फरवरी 1 से 2 तक आयोजित इस दो दिवसीय "टालेंट एक्स्पो' के दूसरे दिन में ठोस कचरा प्रसंस्करण पर आधारित एक लघु नाटक भी प्रदर्शित किया गया।

एचएलएल अकादमी

थिंक टैंक - भविष्य की प्रौद्योगिकी

एचएलएल को पिछले कई सालों से प्रापण और नैदानिक इंजीनियरी प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट ट्रक रिकार्ड है। इसलिए नैदानिक इंजीनियरी और अस्पताल प्रबंधन के क्षेत्र में विस्तृत ज्ञान प्रदान करने को लक्ष्य कर एक इन - हाउस विभाग - एचएलएल अकादमी - को विकसित किया गया। इसका दौत्य है - प्रत्येक के प्रवीणता और ज्ञान बढाने केलिए जीवन भर सीखने का अवसर प्रदान करना, अंशधारियों केलिए परामर्श सेवायें कार्यान्वित करना और कॉर्पोरेट सरकार और लाभरहित संगठनों केलिए विविध स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करना।

इन मद्देनज़र एचएलएल अकादमी विविध प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं सेमिनार लगातार आयोजित कर रहा है। इस प्रकार हाल में, एक नूतन प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना तैयार की, वह है 'थिंक टैंक' कार्यपालक व्याख्यान श्रृंगला'। इस श्रेणी का पहला कार्यक्रम 3 फरवरी 2014 को 3 - 4 बजे तक एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी के जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी स्मारक कल्याण केन्द्र में आयोजित किया गया। ऐसा कार्यक्रम प्रत्येक महीने के प्रथम कार्यदिवस में आयोजित किया जायेगा। इसका प्रमुख उद्देश्य है, विस्तृत रूप से मनन करना, प्रयत्न करना और आपस में सूचनायें बाँटना। डॉ. के. आर. एस कृष्णन, निदेशक (तकनीकी & प्रचालन) ने 'भविष्य की प्रौद्योगिकियाँ ' विषय पर क्लास लिया। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ .एम. अय्यप्पन ने भद्रदीप जलाकर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

उन्होंने अपने भाषण में कहा कि हमें लगातार अपना ज्ञान का अद्यतन करना चाहिए। पढाई से हम अपनी युवावस्था कायम रख सकते हैं, और अपना काम अधिक जोश से कर भी सकते हैं। अतः हमारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगे भी पढाने का अवसर प्रदान करने के लक्ष्य के साथ हम ने एचएलएल अकादमी नामक एक अलग विभाग को प्रारंभ किया ।

डॉ. के.आर.एस कृष्णन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) ने क्लास लेते हुए कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में दैनंदिन प्रगति हो रही है। लेकिन आज यह प्राचीन काल की अपेक्षा अधिक विनाशकारी भी बन गयी है। जापान में हिरोषिमा का बम विस्पोड इसका एक दृष्टांत ही है। लेकिन विज्ञान के विकास से ही आज नयी प्रौद्योगिकी विकसित हो रही है। आज मनुष्य चन्द्र ग्रह में भी कदम रखा है। आगे वे मंगल ग्रह में जाने के प्रयास में हैं। भविष्य में वे निसंदेह इन ग्रहों में अपना आवास स्थान भी बनायेंगे। मंगलयान इसी की ओर का और एक कदम है। डॉ. के. आर.एस कृष्णन ने प्राचीन युग से आधुनिक युग तक और भविष्य में होनेवाली नयी प्रौद्योगिकियों की रूपरेखा अपने प्रस्तुतीकरण के जरिए कंप्यूटर में प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम में कंपनी के उच्च कार्यपालक दल सहित सभी अधिकारियों ने भाग लिया।

थिंक टैंक श्रृंखला के दूसरा सत्र मार्च महीने के प्रथम तारीख पर आयोजित किया गया, जिसमें "प्रतियोगितात्मकता का निर्माण" विषय पर एचएलएल के निदेशक (वित्त) श्री आर.पी.खण्डेलवाल ने भाषण दिया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगितात्मकता से उत्पादकता बढ जाता है, इसके लिए अच्छे नेतृत्व की आवश्यकता है। हमें पहले लागत, गुणवत्ता, समय, नवाचार, उत्कृष्टता एवं लचीलापन पर फोकस करना चाहिए। वास्तव में हरेक कार्य का लाभ प्रतियोगितात्मकता पर ही आधारित है। इसलिए आपूर्तिकार - व्यवसाय - ग्राहक इस मूल्य श्रृंखला में हमें अतीव ध्यान अत्यंत जरूरी है।

एचएलएल @ मेडिका 2013

एचएलएल ने जर्मनी, डसेलडोर्फ में 20 से 23 नवंबर, 2013 तक विश्व के प्रमुख चिकित्सा व्यापार मेला 'मेडिका 2013' में भाग लिया।

मेडिका प्रतिवर्ष डसेलडोर्फ में नवंबर महीने में आयोजित विश्व के सबसे बडा चिकित्सा बाज़ार है। 115,000 स्कोयर मीटर के फ्लोर स्पेइस, 70 देशों से 4,500 प्रदर्शक, 17 प्रदर्शनी हॉल, 5 सम्मेलन, 6 फोरम, कई विशेष स्टैंड्स है। मेडिका में इधर उधर के प्रदर्शन शामिल किया है। केवल 135 प्रदर्शकों के साथ 1969 में शुरू किए मेडिका अब संबंधित विषयों के एक विस्तृत रेंज को कवर करके विश्व के सबसे बडे चिकित्सा व्यापार मेला बन गया है जिस में इलेक्ट्रो चिकित्सा, चिकित्सा प्रौद्योगिकी, प्रयोगशाला के उपकरण, नैदानिक, फिसियोथेरैपी, आर्थोपेडिक प्रौद्योगिकी, एकल उपयोग और उपभोक्ता वस्तुओं, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, ऑपरेटिंग टेबल, मेडिकल फर्नीचर, चिकित्सा सेवा और प्रकाशन शामिल हैं।

एचएलएल मेडिका व्यापार मेला में लगातार सातवाँ वर्ष भाग ले रहा है। सर्वेक्षण दिखाया गया है कि मेडिका को 96% संतुष्ट दर्शकें हैं।

एचएलएल रेनाटा के साथ भागीदारी

एचएलएल, बंगलादेश आधारित कंपनी रेनाटा के साथ पिछले तीन वर्षों से साझेदारी में है। जो रेनाटा फाइजर कॉर्पोरेशन, यु एस ए के एक समनुषंगी जैसे फाइजर लबोरट्टरी के रूप में बंगलादेश में 1972 में संस्थापित किया गया था। कंपनी वर्ष 1993 में फाइजर से शेयरहोल्डिंग के विनिवेश के बाद रेनाटा का नाम दिया गया। रेनाटा विश्व स्तर के मानव फार्मस्यूटिकल्स, जानवरों की स्वास्थ्य दवा, पोषण संबंधी और वैक्सीन का विनिर्माण, विपणन और वितरण करता है। यह यूनीसेफ और सामाजिक विपणन कंपनी (एस एम सी - बंगलादेश के एक बडा गैर लाभकारी संगठन) जिसको रेनाटा अपने उत्पादों को आपूर्ति करता है। कंपनी को एमएचआरए प्रमाणपत्र (युके -एमएचआरए यु के में फार्मस्यूटिकल्स निर्यात करने को गुणवत्ता प्रमाण पत्र) और दवा और स्वास्थ्यरक्षा उत्पादों की विनियामक एजेंसी से अच्छा विनिर्माण अभ्यास अनुपालन (जीएमपी) का प्रमाण पत्र भी प्राप्त है।

बंगलादेश में 22 क्षेत्रों में 18 डिपो के व्यापक नेटवर्क के साथ 1,300 मज़बूत बिक्री बल और 5 विनिर्माण सुविधा के रेनाटा अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल सर्वेक्षण (आई एम एस) के अनुसार कंपनी बंगलादेश में 5 वाँ स्थान पर हो गयी। यह हार्मोन बाज़ार में लीडर और 22 जेनेरिक उत्पादों में ब्रांड लीडर भी है। आज रेनाटा 700 करोड बंगलादेशी थाका (युएसडी 900 लाख) व्यापारावर्त कंपनी, जो ऊँचाइयों तक पहूँचने केलिए तेज़ गति से बढ़ रही है। रेनाटो बंगलादेश के टॉप 10 फार्मस्यूटिकल विनिर्माताओं में एक है, राजस्व पीढी के शर्तों में स्यूवेर्स और दस्ताने जैसे एचएलएल के अन्य स्वास्थ्यरक्षा उत्पादों के साथ एचएलएल के फ्लैगशिप/प्रमुख ब्रांड मूड्स के वितरण केलिए 2010 से एचएलएल के साथ टाई - अप कर लिया गया।

धाका में रेनाटा के मुख्यालय से सीईओ & प्रबंध निदेशक श्री सैयद एस.कैसर कबीर कहता है यह हमारा सौभाग्य एवं गर्व की बात है "समाज को बेहत्तर स्वास्थ्यरक्षा देने केलिए एचएलएल के साथ सहयोग देना" ।

श्री कैसर ने यह भी जोडा 'एचएलएल के साथ हमारी संभावनाएँ बढाने केलिए हम दूसरों के बीच शेयर कंडोम और लैक्टोहिल शामिल करने से हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो में वृद्धि होगी।'

एचएलएल उत्पादों के अतिरिक्त, कंपनी को जर्मनी और इटली में नोवार्टिस वैक्सीन (मनुष्य वैक्सीन), यु के में इवांस वानोडिन इंटरनाशनल (पशु फार्म कीटाणुनाशक) और यु एस ए में ज़िनप्रो और ऑस्ट्रिया में बयोमिन (दोनों पशु पोषण उत्पाद हैं), न्यूजीलैंड में बोमैक (पशु स्वास्थ्य उत्पादें), यु एस ए में नोवस (पशु स्वास्थ्य उत्पादें), भारतीय जड़ी बूटी ओवरसीज़ और ब्लु सीस् लाइफ साइंसेस केलिए विपणन और वितरण का अधिकार है।

रेनाटा लिमिटेड के सहयोग के साथ व्यवसाय के माध्यम से, एचएलएल बंगलादेश में गर्भनिरोधकों, फार्मस्यूटिकल और अस्पताल श्रेणी के उत्पादों में लीडर बनने के इंतजार में है।

सुरक्षा रथ

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड की पेरूरकड़ा और आक्कुलम फैक्टरियों के कर्मचारियों की सुरक्षा पक्का करने के लिए फैक्टरीस एवं बोयिलेर्स विभाग के सुरक्षा रथ नामक मोबैल प्रशिक्षण यूनिट में एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन फैक्टरीस एवं बोयिलेर्स के निदेशक श्री के.शशि ने किया। फैक्टरीस एवं बौयिलेर्स के संयुक्त निदेशक श्री जयचंद्रन, श्री अब्दुल नासर, श्री प्रमोद, श्री सियाद, श्री जयन, एचएलएल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सतीष कुमार, उपाध्यक्ष श्री के.विनयकुमार, एचएलएल पी एफ टी के यूनिट प्रधान श्रीमती अनिता तंपी और एचएलएल - ए एफ टी के यूनिट प्रधान श्री कुट्टप्पन पिल्लै ने भाषण दिया।

ईएसआई अस्पताल का निर्माण

एचएलएल ने केरल के कोल्लम जिला, पारिप्पल्ली में भारत के कर्मचारी राज्य बीमा निगम केलिए 500 बिस्तरों वाले अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के निर्माण के ज़रिए एक प्रभावशाली मील पत्थर दर्ज किया है।

आई एन आर 483 करोड के व्यय पर लगे हुए 1,24,686 स्को. मी. के निर्मित मेडिकल प्रवेश का पहला बैच जून 2014 से शुरू होगा। माननीय केरल के मुख्यमंत्री श्री उम्मन चांडी ने 21 दिसंबर 2013 को इन पेशेंट विभाग में 500 बिस्तरों में से 300 बिस्तर और उनसे संबंधित सुविधाओं का उद्घाटन किया। श्री शिबु बेबी जॉन, केरल के श्रम एवं पुनर्वास मंत्री, श्री वी.एस शिवकुमार, केरल के स्वास्थ्य मंत्री, श्री पीताबंरा कुरुप, सांसद और श्री के.एन.बालगोपाल, सांसद (राज्यसभा) सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति हुई । श्री कोडिकुन्निल सुरेश श्रम एवं रोजगार संघ राज्य मंत्री ने समारोह की अध्यक्षता की। परियोजना समय पर पूरा करने से एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम.अय्यप्पन को प्रशंसा करके श्री कोडिकुन्निल सुरेश माननीय श्रम एवं रोजगार संघ राज्य मंत्री द्वारा स्मृति चिह्न सम्मानित किये गये ।

अत्याधुनिक अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में इन-पेशेंट, आउट पेशेंट, नैदानिक और हताहत, इसके अलावा हॉस्टल और सभागार केलिए अलग ब्लॉक शामिल हैं। पूरी तरह से ऊर्जा बैकअप और एलिवेटर्स के साथ वातानुकूलित आउट पेशेंट ब्लॉक 8585 स्को.मी. के कुल बनाये क्षेत्र के साथ तीन ब्लॉक तीन चार मंजिलें हैं। नैदानिक ब्लॉक में 6,073

स्को.मी. बिल्ट अप क्षेत्र के साथ तीन मंजिलें शामिल हैं। वातानुकूलित ब्लॉक में एक्स -रे यूनिट, एमआरआई और सीटी स्कैन, लैब, लेक्चर हॉल, ब्लड बैंक और प्रशासनिक कार्यालय, लिफ्ट के अलावा निगरानी कैमरा और अन्य सुविधाएं हैं। इसी तरह, 23,553 स्को.मी से अधिक क्षेत्र में निर्मित पूरी वातानुकूलित इन पेशेंट ब्लॉक में 5 तल, तीन लिफ्ट है और यह निगरानी कैमरा और स्वचालित अग्नि सुरक्षा उपकरण से सुसज्जित है।

यह 2005 सितंबर में एचएलएल के अवसंरचना विकास प्रभाग (आईडीडी) पुतुचेरी में जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजूकेशन एंड रिसर्च (जेआईपीएमईआर) में आईएनआर 184 करोड मेडिकल सुविधाओं के उन्नयन परियोजना कार्यान्वयन करने के द्वारा अपना प्रचालन प्रारंभ किया गया।

वर्तमान में, आईडीडी स्वास्थ्य रक्षा अवसंरचना विकास क्षेत्र में व्यापक परामर्श सेवा प्रदान करता है। भारत सरकार, राज्य सरकार और अन्य सरकार एजेंसी केलिए परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता/ ईपीसी विकासक और निर्माण एजेंसी के रूप में डिजाइन, इंजीनियरिंग और निर्माण शामिल हैं।

एचएलएल देश के विभिन्न भागों में 6 एइम्स (एआईआईएमएस) की स्थापना केलिए भारत सरकार का इन हाउस सलाहकार है। कंपनी अब आईएआर 60,000 करोड़ से अधिक मूल्य की मेडिकल अवसंरचना विकास परियोजनाएँ संभाल रही है।

एचएलएल अनुसंधान एवं विकास केन्द्र को वैश्विक मान्यता

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, विश्व के सबसे प्रमुख गर्भनिरोधक विनिर्माता ने अपने अत्याधुनिक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (सीआरडीसी) में अगली पीढी कंडोम का कार्य शुरू किया है। आगे इस नये विचार केलिए एचएलएल बिल एण्ड मेलिंदा फाउंडेशन सहित दूरदराज के क्षेत्रों के विविध पुरस्कार केलिए हकदार बन गया।

डॉ. रघुपति और उसके टीम सदस्य डॉ.ए.कुमरन और डॉ.जी. राजमोहन को इस परियोजना केलिए $ 100000 मिला है। बिल & मेलिंदा गेयिट्स फाउंडेशन ने 800 आवेदनों में से डॉ. रघुपति की परियोजना को चुन लिया। भारत से पुरस्कार केलिए चुन ली गयी एकमात्र परियोजना यह है।

सी आर डी सी ने पुनरुत्पादक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नये तकनोलजी, प्रक्रियाओं एवं उत्पादों के पता लगाने और विकसित करने की योजना तैयार की है। एचएलएल के वैज्ञानिक कंडोमों में ग्राफीन को शामिल करके लोगों की जिन्दगी में इस अद्भुत पदार्थ को लाना चाहते हैं। यह कंडोम का घनत्व 0.07 एमएम से 0.04 एमएम तक कम करने और गर्मी चालकता बढाने में सहायक है। एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन की राय में हमारा दर्शन है- सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ नवाचार मिलाना। आज स्वास्थ्यरक्षा अधिक खर्चीला है, जो आम जनता की पहूँच के बाहर है। इस संदर्भ में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादें किफायती दर पर साधारण लोगों तक पहूँचाना ही हमारा दर्शन है। यहाँ हमारे सीआरडीसी की विशेष भूमिका है, जिसने पहले ही नवाचार के क्षेत्र में अपनी कामयाबी साबित की है।

उद्योग पर संसदीय समिति का निरीक्षण

हरेक संस्था के कर्मचारियों के वेतन, भविष्यनिधि, चिकित्सा लाभ, जनशक्ति, संस्था के वर्तमान स्थिति, कर्मचारियों की सुरक्षा आदि का मॉनिटर करना और आवश्यक सुझाव देना ही संसदीय समिति का प्रमुख उद्देश्य है।

2014 जनवरी 7-8 तक होटल समुद्रा, कोवलम में उद्योग पर संसदीय समिति निरीक्षण बैठक आयोजित की गयी। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में संसदीय समिति ने छः कार्यालयों - एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, नैशनल वस्त्र कॉर्पोरेशन, कयर बोर्ड, युनाइटेड इंडिया इन्श्युरेन्स कंपनी , एल आई सी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग -की रिपोर्ट के आधार पर इन संस्थाओं के कार्यालय अध्यक्षों के साथ चर्चा की। एचएलएल की बैठक जनवरी 7 को थी। इस समय एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एम. अय्यप्पन ने कंपनी के विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की । संसदीय समिति के सदस्यों ने इससे सहमत होकर कंपनी की उपलब्धियों की खूब सराहना की। इस बैठक में लेकसभा और राज्य सभा के 18 सांसदों ने भाग लिया। एचएलएल इस कार्यक्रम का नोडल कार्यालय था। प्रत्येक संस्था के कर्मचारियों के वेतन, भविष्यनिधि , चिकित्सा लाभ, कंपनी की जनशक्ति , वर्तमान स्थिति आदि का मूल्यांकन करने केलिए बीच बीच में संसदीय समिति का दौरा किया जाता है। एचएलएल के उच्च प्रबंधन दल इस बैठक में उपस्थित हुए थे ।

वाक्पटुता कार्यक्रम में पुरस्कृत लेख

एचएलएल की परियोजनायें

एस.वी.बानु
वरिष्ठ प्रबंधक (आर&डी)
एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी

संपूर्ण राष्ट्र की स्वास्थ्य रक्षा पर प्रमुखता देकर आम जनता को किफायती दर पर गुणवत्ता वाले उत्पादें प्रदान करने के उद्देश्य से आज एचएलएल देश की माँग के अनुसार परियोजनायें विकसित करके विविधीकरण के पथ से प्रयाण कर रहा है।

वर्ष 1966 में पुरुष कंडोम से स्वास्थ्य क्षेत्र में कदम रखे हिंदुस्तान लैटेक्स लिमिटेड आगे एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के नाम पर स्वास्थ्य संपन्न राष्ट्र की संकल्पना के साथ अब विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। आज एचएलएल संपूर्ण राष्ट्र की स्वास्थ्य रक्षा केलिए क्रियात्मक कार्यक्रम लगातार करता रहता है।

एचएलएल प्रतिवर्ष 1650 करोड कंडोम का उत्पादन करता है। यह अपने पेरूरकडा, बलगाम और हैदराबाद संयंत्र का कुल उत्पादन है। एचएलएल के प्रमुख उत्पाद मूड्स के उन्नीस रूपान्तर उपलब्ध है, अब उसे सूपर ब्रान्ड पदवी प्राप्त हुई है।

आज एचएलएल सालाना 131.6 करोड के गर्भनिरोधकों का उत्पादन करता है। महिला - गर्भनिरोधक कण्डोम और होर्मोण युक्त एवं होर्मोण रहित गोलियों के अलावा रक्त संचयन बैग, शल्य क्रिया स्यूचेर्स, स्वास्थ्य जाँच किट, महिलाओं की दवायें, टिश्यु एक्स्पैडेर्स, रक्त बैंक, रक्तदान के उपकरण आदि का भी विनिर्माण एचएलएल करता है।

आज कंपनी, परामर्श सेवा, स्वास्थ्य रक्षा उपकरण, स्वास्थ्य शिक्षा, चिकित्सा सुविधाऐं और स्वास्थ्य गतिविधियों जैसी विविध परियोजनाओं से विविधीकरण के पथ पर है। जिससे कंपनी का उत्पादन दर गत वर्ष की अपेक्षा 17 प्रतिशत बढ गई। यानी पिछले साल में रु. 1131 करोड का व्यवसाय किया गया।

एचएलएल ने अपनी मुख्य क्षमताओं को मज़बूत करके आगे सेवाक्षेत्र में विस्तार और विविधीकृत किया यानी नैदानिक सेवायें और प्रापण एवं अवसंरचना विकास प्रभाग सेवायें। कंपनी के व्यवसायों के विस्तार/विविधीकरण के फलस्वरूप प्रबंधन दल को विविध चुनौतियों का सामना करना पडा। इस चुनौती के सामना करने केलिए कंपनी ने गर्भनिरोधक और फार्मस्यूटिकल्स एस .बी.यु जैसे तीन एसबीयु (स्वतंत्र स्ट्राटजिक व्यवसाय यूनिटों के क्षेत्र में) व्यवसाय प्रचालन को पुनर्गठित किया।

(1) गर्भनिरोधक और फार्मस्यूटिकल एसबीयु

यह एसबीयु गर्भनिरोधक और फार्मस्यूटिकल्स की श्रेणी के उत्पादों का विनिर्माण और विपणन करता है। इस श्रेणी में पुरुष कंडोम, महिला कंडोम, इन्ट्रा यूटेराइन उपकरण, मौखिक गर्भनिरोधक गोलियाँ, ट्यूबल रिंग्स और इंजेक्टबिल्स शामिल हैं। एसबीयु की महिलाओं केलिए सामाजिक, मानसिक और शारीरिक तन्दुरुस्ती

को संबोधित करनेवाली महिला स्वास्थ्य उत्पाद श्रेणी में गर्भनिरोधक, ओवुलेशन इंड्यूसेर्स आन्टिमेटिक्स, मासिक चक्र नियंत्रक, आन्टि फैबिनोलिटिक्स, एम टी पी गोलियाँ, प्रेग्नेन्सी टेस्ट किट, प्राकृतिक उत्पाद और वैक्सीन शामिल हैं।

(2) अस्पताल उत्पाद

यह एसबीयु रक्तदान सेवाएं और उन्नत मरीज़ रक्षा के क्षेत्र में स्वास्थ्य रक्षा पेशेवर को आपातकालीन अस्पताल उत्पाद और सेवाओं की विस्तृत श्रेणी देता है। उत्पाद श्रेणी में रक्त संग्रह ब्लड बैग उपकरण भी शामिल है।

(3) सेवायें

एचएलएल विश्वसनीय और गुणवत्ता स्वास्थ्यरक्षा केलिए चिकित्सा अवसंरचना विकास, नैदानिक केंद्र और प्रापण परामर्श सेवा के क्षेत्र में कई कार्य कर रहा है जैसे,

1. सैनिटरी नैपकिन के उत्पादन में पदार्पण

एचएलएल ने विविधीकरण को ध्यान में रखकर बेलगाम में सैनिटरी नैपकिन का उत्पादन शुरू किया।

2. बालरामपुरम में नया पैकिंग यूनिट

एचएलएल ने गर्भनिरोधक उत्पादों का विनिर्माण अधिक बढाने को लक्ष्यकर पैकिंग भंडारण आदि कार्यों केलिए बालरामपुरम में अपने नये मकान का निर्माण किया है। तिरुवनंतपुरम में स्पिन्निंग मिल के पास 51,000 क्षेत्रफल में चार मंजिलों के मकान में सभी प्रकार की अत्याधुनिक सुविधायें सुसज्जित की है। अब कंडोम पैकिंग और भंडारण केलिए छः जगह है नया मकान कंडोम पैकिंग का एकीकृत केंद्र रहेगा।

3. एचबीएल - एचएलएल की एक संपूर्ण समनुषंगी कंपनी है। रुपया 594 करोड परियोजना लागत की इस कंपनी ने वैक्सीन सुरक्षा को लक्ष्यकर तमिलनाडु में काञ्चीपुरम जिले के चेंकलपेट्टु में शुरू किया। प्रथम चरण में 585 दशलक्ष डोसस वार्षिक क्षमता के साथ पेंटावलन्ट मिश्रण डीपीटी - हेप बी का निर्माण यहाँ होगा। यह परियोजना राष्ट्रीय महत्व की है जो वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रम (यु आई पी) केलिए सस्ती कीमत पर वैक्सीनों की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित करेगी।

दूसरा कार्य है-आपातकालीन स्थितियों में वैक्सीन सुनिश्चित करना और हेप्पटैटिस बी, जापनीस एनसफैलिटिस जैसी भीषण बीमारियों केलिए वैक्सीनों के आयात पर देश की निर्भरता काफी कम करना। किसी महामारी या विश्व मारी हालतों के सामना करने केलिए इसके बहु बैक्टीरियल और बहु वायरल सुविधाओं को उपलब्ध करने की क्षमता भी होगी। हिमाचल प्रदेश के कसौली में केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान (सीआरआई) के वैक्सीन विनिर्माण यूनिट का सुधार पहले ही पूरा किया है।

केन्द्र सरकार ने बीसीजी वैक्सीन प्रयोगशाला,गिंडी और पास्टर इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया,कूनूर के सुधार करने का कार्य भी एचएलएल को सौंप दिया है।

4. एस ए पी वातावरण पर आधारित उद्यम संसाधन योजना कार्यान्वयन

एचएलएल में जो एसएपी/ईआरपी का कार्यान्वयन किया गया है जिससे पूरी कंपनी का प्रचालन मुख्यालय में संस्थापित विकसित डेटा सेन्टर से संभव है।

5. पेट्रोनेट के साथ समझौता

एचएलएल ने अपनी फैक्टरियों की बिजली की खपत को कम करने के उद्देश्य से एलएनजी के दीर्घकालीन प्रापण केलिए पेट्रोनेट एलएनजी के साथ एमओयु में हस्ताक्षर किया। ऐसे सहयोग करने वाले केरल का पहला सार्वजनिक उद्यम है एचएलएल। यह सुविधा एचएलएल की पेरूरकडा और आक्कुलम फैक्टरियों में उपलब्ध हो जायेगी। भारत में एलएनजी की माँग दिन व दिन बढ रही है। एचएलएल जैसी संस्थाओं केलिए यह सबसे अच्छी लागत प्रभावी समाधान होगी। पेट्रोनेट के साथ एचएलएल का टाई अप इस देश की बिजली की भारी कमी के सामना करने के लिये एचएलएल की एक नवाचार योजना है।

6. एएफटी में सोलार सिस्टम की परियोजना

बिजली की संकट स्थिति हल करने केलिए एएफटी में 25 कि.वा.प सोलार पवर यूनिट का संस्थापन किया गया। इस परियोजना की कुल लागत 40 लाख है। इससे एएफटी को 100 यूनिट की बिजली मिलेगी। इस परियोजना से केएसईबी पर आश्रित रहने से हमें एक हद तक राहत मिलती है। इससे एचएलएल को साल में औसत 1.13 लाख रुपए की बचत मिलने की प्रतीक्षा है। एचएलएल को केन्द्र सरकार से 12 लाख रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई।

7. आईसीएमआर और एनआईआरआरएच
(पुनरुत्पादक स्वास्थ्य अनुसंधान का राष्ट्रीय संस्थान)

एचएलएल ने बायो मेडिकल और क्लिनिकल अनुसंधान के विविध क्रियाकलापों एवं निम्न जैसी परियोजनाओं केलिए आईसीएमआर के साथ सहयोग लिया है।

प्रजनन निर्धारण केलिए पेशाब आधारित इम्म्यूणो डायग्नोस्टिक किट का प्रमाणन और मापन।

8. अनुसंधान एवं विकास

एचएलएल के कॉर्पोरेट आर&डी, इन-हाउस और विवध राष्ट्रीय संस्थायें जैसे आईआईटी कानपूर, आईआईटी मुंबई, एससीटीआईएमएसटी, आरसीसी के सहयोग के साथ आर & डी परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है।

आक्कुलम में एचएलएल के कॉर्पोरेट आर&डी ने बायोडीग्रेडबिल पोलिमर कोटिंग परियोजना केलिए बिल और मेलिंदा गेट्स - फाउन्डेशन से एक लाख यु एस डोलर प्राप्त किया है। एचएलएल ने डीबीटी द्वारा प्रायोजित प्रोजेस्टरोन वाजिनल रिंग के नैदानिक परीक्षण की परियोजना शुरू की। ल्युकोसैट रिक्तीकरण फिल्टर के विकास केलिए आईआईटी कानपूर के साथ सहयोग, यह परियोजना अंतिम चरण पर है।

9. ब्लड बैग विनिर्माण सुविधा का विस्तार

एचएलएल की नई तरीके का ब्लड बैग डोनाटो विपणन में लॉच किया गया। डोनाटो में सुई चोट रक्षक, फ्रोस्टड ट्यूबिंग्स,इनलाइन सांब्लिंग,पोर्ट एल डी फिल्टर आदि विशेषताएं हैं। यह दाताओं और पेशेवरों को आसानी से इस्तेमाल करने लायक है। उत्पादन संयंत्र को डब्लियु एच ओ जीएमपी, आई एसओ 9001, आईएसओ 13485, आईएसओ 14001, ओएसएचएएस 18001 प्रमाणन मिला है। एचएलएल ने ब्लड बैग की उत्पादन क्षमता 11.5 एमपीसी से 16.7 एमपीसी तक बढाई। एचएलएल ने देशी और सार्वभौमिक बाज़ार में अपने ब्लड बैग का बाज़ार बढाने केलिए एक और रक्त बैग यूनिट शूरू किया।

एचएलएल ने केरल के 14 जिलों में 32 रक्त स्टोरेज केन्द्र शुरू किया है। सारा कार्य एनएसीओ और एनआरएचएम के निर्देशों के अनुसार ही करते हैं। इस क्षेत्र में एचएलएल का यह पहला कदम है। स्वास्थ्य केन्द्र और तालूक अस्पतालों में ही ब्लड स्टोरेज़ केंद्र प्रारंभ किया गया है। इस योजना का प्रमुख एजन्सी है एसएसएसीएस। एचएलएल ने समझौते में हस्ताक्षर करने की तारीख से 43 दिनों में रिकार्ड समय के अंदर ब्लड स्टोरेज़ केंद्र शुरू किया। हरेक रक्त स्टोरेज़ केंद्र को एक पोषककर्ता ब्लड बैंक से जोड दिया गया जहाँ से इनको पूरा रक्त समाहरित करना है। इन केन्द्रों में 60 यूनिट रक्त सुरक्षित रखने की सुविधायें हैं। पोषककर्ता रक्त बैंक से केंद्र तक रक्त ले जाने केलिए कोल्ड चेयिन सुविधा भी प्रदान की गयी है।

प्रत्येक केन्द्र में ब्लड ग्रूपिंग और क्रोस मैचिंग की सुविधायें उपलब्ध हैं। इसके अलावा ब्लड बैंक रेफ्रिजरेटर, फ्रीजर, जल स्थान, सुरक्षा ऊष्मायन, बाइनोकुलर माईक्रोस्कोप भी प्रदान किया गया है। इस परियोजना की सफलतापूर्वक पूर्ति से केरल के नौ ब्लड बैंकों को आधुनिक करने की एक परियोजना भी केरल सरकार ने एचएलएल को सौंप दिया है।

10. प्राकृतिक उत्पाद हेर्ब्स & बेरीस

आज के ज़माने में आयुर्वेदिक औषदों की अधिक प्रमुखता है और जिससे कई महामारियों का भी इलाज हो सकता है। सही ढंग की जीवनचर्या से हम इन बीमारियों से बच सकते हैं। बीमारियों का प्रमुख कारण दवाओं का अधिक उपयोग है। आयुर्वेद के गुणों को देश भर के लोगों तक पहूँचाने केलिए एचएलएल ने कोट्टक्कल आर्य वैद्यशाला के साथ मिलकर तीन आयुर्वेदिक उत्पादों को बाज़ार में लॉच किया।

संधियों के दर्द केलिए जोयिंट केयर क्रीम, बालों के संरक्षण केलिए हेयर ऑयल आदि उत्पादों को बाज़ार में लाया गया। इन उत्पादों को एचएलएल के प्राकृतिक उत्पाद विभाग हेर्ब्स और बेरीस के ब्रान्ड नाम पर बाज़ार में लाया गया है।

11.एचएलएल अकादमी

एचएलएल ने स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करके एचएलएल आकादमी नामक नई परियोजना शुरू की है। प्रारंभ में एचएलएल ने इग्नो की सहभागिता से दूर शिक्षा द्वारा क्लिनिक्कल इंजीनियरिंग और प्रबंधन पर 2 पाठ्यक्रम प्रारंभ किया।

स्वास्थ्य विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उच्चस्तरीय शिक्षा प्रदान करना एचएलएल का लक्ष्य है। यह पहले एक कॉर्पोरेट सिस्टम के रूप में शुरू करके बाद में एचएलएल का एक अलग संगठन के रूप में बदल जायेगा। प्रथम चरण में पीजीडीसीईएम और पीडीसीइएम पाठ्यक्रम हैं। इस में इलक्ट्रिकल, मैकानिकल, इनस्ट्रूमेन्टेशन, केमिक्कल, बायो तकनोलजी आदि विषयों में इंजीनियरिंग डिग्री है। यह पाठ्यक्रम एक साल का है और पूरा विवरण

वेबसाइट www.hllacademy.in से मिलेगा। बाद में सामाजिक विपणन, उत्पादन आदि विषयों पर एम . टेक, एम बी ए जैसे पाठ्यक्रम भी शुरू करेंगे।

12. स्टार - शुगर टेस्टिंग

मधुमेह रोग का निर्णय और इसके प्रति लोगों को जागरूकता प्रदान करने केलिए स्टार - शुगर टेस्टिंग योजना शुरू की गयी। आम जनता को बीमारियों के सामना करने केलिए तैयार कराना ही इसका लक्ष्य है। इस के लिए एक वान को सुसज्जित किया गया है। राज्य के विविध शहरों में जाकर जरूरत मंदों को कम दर पर शुगर टेस्टिंग की सुविधा उपलब्ध करती है। आगे डायबेट्टिक रोग संबन्धी लीफलेट और इस बिमारी का सामना करने केलिए आवश्यक जागरूकता भी देते हैं। बाज़ार में डायबेट्टिक रोग निर्णय केलिए 30-100 रुपया वसूल करते समय स्टार केवल दस रुपये लेता है। बाद की जाँच केलिए वान दो महीने में एक बार उसी जगह पर वापस आती है। भारत आबादी में विश्व में दूसरे स्थान पर है लेकिन डायबेट्टिक रोगियों की संख्या में प्रथम स्थान पर है। यहाँ पाँच करोड से अधिक डायबेट्टिक रोगियाँ हैं। इस पर विचार करके एचएलएल ने ऐसी परियोजना शुरू की है। पाश्चात्य देशों में डायबेट्टिक रोग वृद्ध लोगों में आती है। लेकिन भारत में यह युवाजनों और मध्यवयस्कों में ज्यादा देखा जाता है। ठीक समय पर डायबेट्टिक रोग का निर्णय और उपचार न करने से डायबेट्टिक की विकराल दशा और मृत्यु दर बढने का कारण हो जायेगा। एचएलएल अपने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रम के तहत ऐसी परियोजना में लगे रहता है।

(13) लाइफ़केयर केंद्र

केरल सरकार की साझेदारी के साथ तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज में लाइफ़केयर केंद्र नामक एक विशेष रीटेल केंद्र शुरू किया गया। यह केंद्र सर्जिकल इम्प्लान्ट्स, उपभोज्य और जीवन रक्षा दवाइयाँ प्रदान करने में ध्यान देता है। इन उत्पादों को बाज़ार मूल्य से कम दर में देना इस केन्द्र का लक्ष्य है। यह गरीब मरीजों के लिए एक हद तक राहत ही है। ऐसा एक केन्द्र इस साल में नेत्र विज्ञान के क्षेत्रीय इन्स्टिट्यूट में भी प्ररंभ हुआ है। अब केरल के 4 मेडिकल कॉलेज में यह सुविधा उपलब्ध है।

14. तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज में सूपर स्पेश्यालिटी ब्लॉक

एचएलएल द्वारा समयबद्धित रूप से प्रधानमंत्री की स्वास्थ्य सुरक्षा योजना पद्धति के अनुसार नवीकृत तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज के सूपर स्पेश्यालिटी ब्लॉक राष्ट्र को समर्पित किया गया। अब देश के 12 मेडिकल कॉलेजों का काम भी चल रहा है। केरल में इसका अनुरक्षण काम भी एचएलएल को दिया गया।

एचएलएल के आईडी प्रभाग ने यह योजना पूरी की है। इस सूपर स्पेश्यालिटी ब्लॉक में न्यूरोलजी, न्यूरो सर्जरी, यूरोलजी, नेफ्रोलजी, गास्ट्रो एन्ट्रोलजी, सर्जिकल गास्ट्रो एन्ट्रोलजी, आई सी यु आदि विभाग हैं। इस ब्लाक में 8 ऑपरेशन थियेटर, 29 बिस्तर, 6 इंटनसीव केयर यूनिट शामिल हैं। इसका कुल खर्च 120 करोड है। 100 करोड केन्द्र सरकार और 20 करोड राज्य सरकार ने दिया है। एचएलएल का आई डी प्रभाग जिप्मेर मेडिकल कॉलेजों का नवीकरण कार्य भी कर रहा है।

15. स्टार बोट

नेहरू ट्रोफी नाव दौड के सिलसिले में डायबेट्टिक के मुफ्त जाँच केलिए स्टार बोट का उद्घाटन किया गया। यह समारोह आलप्पुषा माता बोट जट्टी में आयोजित किया गया। यह नाव आलप्पुषा के कई प्रदेशों में जाकर ब्लड की जाँच करता है। इससे डायबेट्टिक रोग के प्रति लोगों को जागरूकता भी दिया जाता है।

16. कंडोम बिक्री केंद्र

एचएलएल द्वारा तिरुवनंतपुरम के टेक्नोमाल में दूसरा कंडोम बिक्री केंद्र - मूड्स प्लानेट खोला गया। पहला केंद्र पुलिमूड के केसरी ब्लिडिंग में है। अपने मूड्स ब्रान्ड कंडोम और अन्य गर्भनिरोधक उत्पादों एवं उपायों को एक छत्त के नीचे लाना ही एचएलएल का लक्ष्य रहा है।

17. संयुक्त उद्यम कंपनी

एचएलएल और अक्युमेन फंड, युएसए की 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी है - लाइफस्प्रिंग अस्पताल प्राइवट लिमिटेड, जिसके नेतृत्व में हैदराबाद के छः जगहों में अस्पताल शुरू किया गया। अब इस क्षेत्र में 12 अस्पताल हैं। संयुक्त उद्यम कंपनी की भविष्य रूपरेखा आशाजनक है और एचएलएल अपना व्यवसाय बढाने के उद्देश्य से वर्ष 2015 तक 100 अस्पताल शुरू करने की योजना तैयार करता है।

18. लाइफस्प्रिंग अस्पताल का सामुदायिक नर्सिंग कार्यक्रम

लाइफस्प्रिंग अस्पताल के सामुदायिक नर्सिंग टीम स्वास्थ्य परिरक्षा को प्रमुखता देकर उपभोक्ताओं के पास जाकर महिलाओं को गर्भावस्था एवं प्रसवोपरांत स्वास्थ्यरक्षा, बच्चे की स्वास्थ्य पर ध्यान देने तथा प्रसव के बाद शिशु को स्तनपान करने की आवश्यकता पर जागरूकता देते हैं। लेकिन अधिकांश महिलायें इस चेकअप केलिए अस्पताल नहीं जाती हैं। इसलिए डाक्टरों को माँ और बच्चे की हालत के बारे में एवं प्रसव के समय कुछ समस्या होने की संभावना के बारे में सही पता नहीं मिलता है। इस टीम में स्त्रीरोग विशेषज्ञ, एचएलएल के आउटरीच कामगार और नर्स होंगे। इससे नर्सों को अपने उपभोक्ताओं से बातचीत करने तथा उनके हाल समझने की वक्त मिलती है। आज समाज की आम महिलाओं को उच्च गुणवत्ता स्वास्थ्य रक्षा नहीं मिलती है। इसलिए इस परियोजना से महिलाओं को कम दर पर उच्च गुणवत्ता स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करना एचएलएल का लक्ष्य है।

19. एचएलएफपीपीटी

यह एचएलएल का एक गैर लाभ रहित स्वास्थ्य सेवा संगठन है। इसके ज़रिए मातृशिशु स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करता है। आगे एचआईवी के निवारण, चिकित्सा और रक्षा तथा गर्भनिरोधकों के उपयोग को बढाने केलिए सामाजिक विपणन कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम केलिए तकनीकी सहायता, महिलाओं की प्रसव रक्षा को प्रमुखता देकर नगर के विभिन्न कोनों में 64 मेर्री गोल्ड अस्पताल, 367 मेर्री सिलवर क्लिनिक्स और 10,880 मेर्री तरंग क्लिनिक्स खोले गये हैं। ये नाको की सहभागिता के साथ उत्तर प्रदेश में कार्यरत हैं। एचएलएफपीपीटी का और एक कार्यक्रम है रेड रिब्बन क्लब (आरआरसी)। इसका का लक्ष्य है एचआईवी/एड्स का निवारण, सुरक्षा, सहायता और चिकित्सा के बारे में सही जानकारी लोगों को प्रदान करना। इसके अतिरिक्त 1700 छात्रों एवं स्वयं सेवकों को सुरक्षित रक्तदान और स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

आरआरसी का मुख्य उद्देश्य हैः

1. एचआईवी/एड्स की कार्यस्थल नीति

एचएलएल ने राष्ट्रीय नीति के मार्गदर्शनों के आधार पर एचआईवी/एड्स पर कार्यस्थल नीति स्वीकार की है। सीधे या परोक्ष रूप से कार्यबल को संरक्षित रखने केलिए यह नीति विकसित की गयी है।

2. एसएमएस द्वारा रक्तदान जागरूकता अभियान

रक्तदान महादान है। विश्व रक्तदान दिन में रक्तदान को बढावा देने केलिए एचएलएल, एचएलएफपीपीटी और बीएसएनएल ने साथ मिलकर एसएमएस जागरूकता के पचपन लाख ग्राहकों को रक्तदान करने की आवश्यकता पर जागरूकता प्रदान किया । एचएलएल ने केएसएसीएस से मिलकर रक्तदाताओं के स्वास्थ्य डेस्क "हार्ट बीट्स" का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य डेस्क के पहले पंजीकरण का वितरण भी किया गया। रक्तदान के बारे में आम जनता को अवगत करना भी इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। रक्तदान दिवस में तिरुवनंतपुरम के कनककुन्नु से बैक रैली भी आयोजित की गयी। एचएलएफपीपीटी ने केएसएसीएस और केरल स्वास्थ्य विभाग के साथ वीजेटी हॉल में रक्तदान कैंप भी आयोजित किया। गत वर्ष में कई बार रक्तदान किये कॉलेज विद्यार्थियों, कॉलेज और सरकारी संगठनों के सदस्यों को भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम में करीब 300 लोगों ने रक्तदान किया।

3. आत्मविश्वास पैदा करनेवाला अभियान - मैं शर्मीला नहीं।

वर्ष 2011 को भारत की जनसंख्या 121 करोड है। पिछले एक दशक की वृद्धि 18 करोड है। भारत में जनसंख्या में प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश और दूसरा स्थान महाराष्ट्र को है। भारत के कई लोगों को अब भी किसी मेडिकल स्टोर में जाकर कंडोम खरीदने में हिचहिचाहट है। यह शर्मीलापन परिवार नियोजन कार्यक्रम और सुरक्षित यौन संबंधों के लिए भी हानीकार होता है। आज राज्य की सबसे बडी चुनौती जनसंख्या विस्फोटन है। इस अवसर पर एचएलएल ने 'मैं शर्मीला नहीं' नामक परियोजना शुरू की और दंपतियों को कंडोम प्रदान किया। एचएलएल के स्वयं सेवकों ने बस अंडा, रेलवे स्टेशन आदि आम जगहों पर मुफ्त रूप से कंडोम और जागरूकता प्रदान करने में सहायक लीफलेट वितरित किया। इसका पूरा विवरण वेबसाइट iamnotshy.com से मिलता है। इस परियोजना से हमारा लक्ष्य है - अपने परिवार एवं भविष्य सही ढंग से व्यवस्थित करने केलिए युवाजनों को सज्जित करना।

4. प्रजनन शक्ति निर्णय करने की तकनीकी जानकारी

भारत में बंध्यता से पीडित तीन करोड लोग हैं और यह बढती रहती है। इस अवसर पर एचएलएल ने प्रजनन शक्ति निर्णय करने केलिए सरल एवं सस्ती तकनीकी प्रणाली विकसित की है। इससे बंध्यता चिकित्सा कम खर्च में चलेगा। टेस्ट्यूब शिशु जैसे उपायों के पूर्व प्रजनन शक्ति निर्णय करने की अत्यंत जटिल जाँचों को दोष रहित बनाने केलिए भी यह सहायक होगी। यह एनआईआरआरएच द्वारा विकसित है और तकनीकी ज्ञान आईसीएमआर ने एचएलएल लाइफ़केयर को सौंप दिया है। तीन संगठनों ने इस पद्धती को लागू करने और विपणन क्षेत्र में लाने के करार में हस्ताक्षर किया। यह परियोजना सीबीटी विभाग की वित्तीय सहायता से संपन्न हुआ।

5. साइकिल बीड्स

स्त्रीयों के मासिक चक्र के बीच के सुरक्षित काल के आधार पर विकसित किये गये गर्भनिरोधक उपाय साइकिल बीड्स का उत्पादन और विपणन प्रारंभ किया गया। अमेरिका के जोर्ज टोकोन विश्वविद्यालय के पुनरुत्पादन स्वास्थ्य संस्थान द्वारा विकसित किया गया यह गर्भनिरोधक उपाय गर्भधारण रोकने की सबसे अच्छी तरीका है। मासिक चक्र 26 से 32 दिनों तक के स्त्रीयों केलिए यह उपयोगी होगी। ये 'मालचक्र', 'श्रृतुमाला' आदि नामों पर बाज़ार में आते हैं। इस साइकिल बीड्स में विशेष रंग की मोतियों की एक माला और एक रबड वलय है। मासिक चक्र के पहले दिन में यह रबड वलय मोतियों के ऊपर से आगे हटायेगा। मोतियों का रंग देखकर किसी विशेष दिनों में लैंगिक संबंध में लगे रहे तो गर्भधारण की संभावना नहीं होगी। एचएलएल और अमेरिका के साइकिल तकनॉलजी के साथ हुए समझौते के आधार पर भारत में इसका उत्पादन और विपणन कार्य एचएलएल संभालता है।

आज एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड तेज़ी से उन्नती की ओर अग्रसर हो रहा है। वर्ष 2010 में 1000 करोड व्यापारावर्त की कंपनी बन गयी। अब एचएलएल ने गर्भनिरोधक,फार्मस्यूटिकल उत्पाद एवं अस्पताल उत्पादों से विविधीकरण को ध्यान में रखकर विशन 2020 तैयार किया है। विशन 2020 का लक्ष्य है वर्ष 2020 तक 10,000 करोड की स्वास्थ्य रक्षा कंपनी बनना। स्वास्थ्य रक्षा सार्वजनिक उद्यम के रूप में पूरे भारत में अस्पताल श्रृंगला, नैदानिक क्लिनिक के रूप में अस्पताल प्रबन्ध भी चलाता है। जेनेरिक दवाओं का उत्पादन, डे केयर सेंटर जैसी नई नई परियोजनाओं के बारे में कंपनी सोचती है। एचएलएल के प्रतिबद्ध प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच के सफल टीम वर्क के कारण विश्वास और पारदर्शिता के बल पर एचएलएल अपना लक्ष्य ज़रूर पूरा करेगा। ●

राजभाषा सेमिनार में पुरस्कृत लेख

किफायती लागत पर गुणवत्तावाली स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करने में चुनौतियाँ

डॉ.पी.आर.हरीन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (रा.भा.) (प्र.)
दूरदर्शन केंद्र, तिरुवनंतपुरम

भारतीय संकल्पना के अनुसार मानव जीवन की सफलता चार पुरुषार्थ याने धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन की प्राप्ति पर आधारित है। धर्म निष्ठा सभी पुरुषार्थ का मूल है। भारतीय चिकित्सा शास्त्र में कहा गया है 'शरीरमाद्यम् खलु धर्म साधनम्' । मतलब धर्मनिष्ठ होने के लिए सर्वप्रथम स्वस्थ शरीर की आवश्यकता है । स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन हो सकता है । अतः भारतीय चिकित्सा शास्त्र का यह कथ्य अक्षरशः सत्य है ।

जिसका शरीर स्वस्थ होगा, उसका मन भी स्वस्थ होगा और उसी में दैवी, सात्विकी अथवा आध्यात्मिक गुणों का बाहुल्य होगा। इसका एक दूसरा पक्ष भी है। जब मन शांति, प्रसन्नता और प्रफुल्लता से भरा रहता है, तब शरीर भी स्वस्थ रहता है। अर्थात् स्वास्थ्यरक्षा जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है और शरीर व मन का स्वास्थ्य परस्पर आश्रित है। अतः स्वास्थ्य रक्षा हेतु शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिए अनुकूल वातावरण की आवश्यकता है ।

आज विज्ञान व प्रौद्योगिकी का युग है। पूरे विश्व में इन्हीं की दुंदुभी सुनाई पड रही है । स्वास्थ्य रक्षा के क्षेत्र में भी इससे बडी प्रगति हुई है, खास करके चिकित्सा क्षेत्र में । परंतु, क्या इसके सद्परिणाम समाज के सारे लोगों तक पहुँचते हैं? यदि इसके सद्परिणामों की पहुँच लोगों तक ही सीमित है तो इसके क्या कारण हैं?

यदि हम समाज के सभी लोगों को किफायती लागत पर गुणवत्तावाली स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करना चाहते हैं तो, समय आ चुका है कि हम सब मिलकर इस के बारे में सोचें और उस सोच पर अमल करें, उसे व्यवहार में लाएँ । स्वच्छ जल, वायु, पौष्टिक आहार, आवश्यक व्यायाम और मन की प्रसन्नता स्वास्थ्य संरक्षण के चतुर्स्तंभ माने जाते हैं । तब आवश्यकता पडती है इलाज की । दुर्भाग्यवश तथाकथित प्रगति के मायामोह में पडकर हम अक्सर प्रकृति के विरुद्ध चलते हैं और मानवीय मूल्यों को भूल जाते हैं । अंधी दौड धूप के इस ज़माने में उपर्युक्त चारों बिगड गए हैं । अतः इलाज की आवश्यकता भी बहुत बढ गई है । कहने का मतलब है कि स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करने में मूल चुनौती हमारी यह अंधी दौड धूप ही है, जिसकी वजह से कई प्रत्यक्ष चुनौतियाँ हमारे सामने खडी हो जाती हैं ।

यह सच है कि विज्ञान व प्रौद्योगिकी के चमत्कार स्वरूप चिकित्सा क्षेत्र में भी बडी प्रगति हुई है । परंतु अफसोस की बात यह है कि, इस क्षेत्र में वाणिज्यीकरण बहुत हुआ है और अब भी वह ज़ोर पकड़ रहा है । जेनेरिक दवाओं को सूत्रीकरण या पेटेंट करके उनमें फ्लेवर वगैरह मिलकार दाम बढाकर बेचना इसका एक उदाहरण है । किफायती लागत पर समाज के सभी वर्गों को इलाज देने में इससे दिक्कत पैदा होती है ।

भारतीय चिकित्सा शास्त्र यानी आयुर्वेद में कथित उपचार और दवाएँ सफलता की दृष्टि से रामबाण के समान हैं । आयुर्वेद में प्राकृतिक औषधों के बारे में कहा गया है, पुराने ज़माने में सामान्य लोगों को भी हमारे आस पास की जडी बूटियों में निहित औषधीय गुणों के बारे में विशेष ज्ञान था । इसलिए वे अपने खान पान में उन्हें शामिल करके उपचार से ही बीमारियाँ दूर करते थे । इलाज के लिए बडी खर्च की ज़रूरत भी नहीं थी।

लेकिन आज ज़माना बदल गया । आज जडी बूटियों के पनपने के लिए जगह कहाँ? यदि कोई जडी बूटी हमारे आसपास बच गई है तो भी, उसे पहचाननेवाला कौन है? यदि किसी ने पहचान लिया तो भी ठीक से उसका सेवन करके बीमारी दूर करने का धैर्य किस में है? प्रकृति के अनुरूप जीवन जीने को महत्व देनेवाले हमारे अपने चिकित्सा शास्त्र को ठुकरा देकर पाश्चात्य चिकित्सा शास्त्र को अधिक महत्व देते हैं जो हमारी मानसिकता से उत्पन्न होती है और यह है किफायती लागत पर स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करने में हमारी सबसे बडी चुनौती ।

डॉक्टर को धरती पर भगवान का दूसरा रूप माना जाता है क्योंकि उसके पास जान बचाने की वह शक्ति, वह साधन और वह विद्या है । लेकिन जब यही व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने की लालच में पड़कर अपने कर्तव्य की नैतिकता को भूल जाए तो फिर क्या करें? एक ओर जब कई डॉक्टर धन के भूखे बनकर रिश्वत लेने सहित कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाते हैं, दूसरी ओर दवाई और चिकित्सा संबंधी वस्तुएँ बनानेवाली कंपनियाँ भी इस विषय में कुछ पीछे नहीं हैं । मनमाने ढंग से ऐसी वस्तुओं का दाम बढ़ाना और डॉक्टर को कम्मीशन या विदेश यात्रा जैसे उपहारों से किसी लालच में फँसाकर, आवश्यक हो या अनावश्यक हो इसकी परवाह किए बिना उससे अपनी दवाओं के लिए नुस्खा लिखवाना यह सब सामान्य सा हो गया है । इससे चिकित्सा क्षेत्र में खर्च बहुत हो रहा है । अनावश्यक रूप से लैब-टेस्ट करवाने वाले अनेक डॉक्टर हैं । उनके ऐसा करने से उन लैबों से कमीशन मिलता है । लेकिन इस अनावश्यक खर्च की बोझ बेचारे बीमार व्यक्ति के सिर पर हो जाती है ।

आज आयुर्वेद का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है । इस क्षेत्र में भी वाणिज्यीकरण और बाज़ारीकरण ज़ोर पकड रहा है । मोहित करने वाले विज्ञापनों के ज़रिए अनावश्यक रूप से दवाईयों और सौंदर्य वर्धक वस्तुओं का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करने वाली कंपनियों की संख्या हज़ारों में मिलती है ।

भारत में बढ़ती आबादी के बदलते परिप्रेक्ष्य में समाज के सभी वर्गों को किफायती लागत पर स्वास्थ्य रक्षा प्रदान करने में समुचित व्यवस्था का अभाव ऐसी चुनौतियों को गंभीर बना देता है। सरकार और विभिन्न समाज कल्याण संस्थाएं मिलजुलकर इसके लिए देश के कोने-कोने में अस्पताल, दवाई की उपलब्धता, सुसज्जित लैब आदि की समुचित व्यवस्था कर सकते हैं । साथ ही दवाई और चिकित्सा संबंधी अन्य वस्तुओं के विनिर्माण करने वाली कंपनियों पर इनके दाम और गुणवत्ता निर्णीत करने के विषय में सख्त नियंत्रण रखना आवश्यक है । अस्पतालों, डॉक्टरों और पैरा मेडिकल क्षेत्र के लोग बीमारों का शोषण न करने दें इसके लिए समुचित नियम बनाएँ और उनका सख्त अनुपालन सुनिश्चित करें । समाज के सभी लोगों को विशेषकर अशिक्षित और गरीबों को सरकार की तरफ से स्वास्थ्य रक्षा हेतु दी जानेवाली सुविधाओं के बारे में जागरूक बनाएँ । अंत में हमें इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि हम प्रकृति के अनुरूप जीवन बिताएँ, तथाकथित प्रगति की अंधी दौड धूप में न फँस जाएं और भारतीय चिकित्सा शास्त्र पर विश्वास रखें ।

●

भारतीय चिकित्सा शास्त्र यानी आयुर्वेद में कथित उपचार और दवाएँ सफलता की दृष्टि से रामबाण के समान हैं । स्वच्छ जल, वायु, पौष्टिक आहार, आवश्यक व्यायाम और मन की प्रसन्नता स्वास्थ्य संरक्षण के चतुर्स्तंभ माने जाते हैं ।

वार्षिक नियोजन कार्यशाला

ACHIEVE
ADVANCE

पूरब की मोती एवं पर्यटनों का स्वर्ग माने जाने वाले गोवा में आयोजित एचएलएल की वार्षिक नियोजन कार्यशाला (ए पी एम) का उद्घाटन कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, डॉ.एम.अय्यप्पन जी द्वारा किया गया । कंपनी के विविध यूनिटों से 178 प्रतिनिधियों ने एकत्रित होकर लक्ष्य प्राप्त करने की योजना और अगले वित्त वर्ष की रूपरेखा तैयार की । इनकी चर्चा के बीच में मुख्य योजनाएं, प्रमुखताएं, उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रभावी प्रबंधन तरीका, आगामी वर्ष की मुख्य चुनौतियाँ, हाथ में लिये जाने वाले पहलुएं आदि विविध मदें उभर आये ।

इसके मद्देनज़र इस साल का विषय-वस्तु था 'प्रगति बढ़ाना' यानी असंभव कार्यों को हासिल करना और विजय न प्राप्त क्षेत्रों को बढ़ावा देना । यह विषय 10000 करोड़ की कंपनी बनने के एचएलएल का लक्ष्य विज़न : 2020 हासिल करने और उसकी ओर बढ़ावा देने पर ज़ोर देती है ।

एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने दीप प्रज्ज्वलित करते हुए अपने ग्राहकों की दृष्टि को खोये बिना एचएलएल के रु.10000 करोड़ के लक्ष्य की ओर बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दी । साथ ही, ग्राहकों और एचएलएल के मूल्यों के प्रति हरेक अधिकारी वफादार होने का आग्रह किया । आगे दक्षिण अफ्रिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ.नेलसण मंडेला को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए डॉ.एम.अय्यप्पन ने अपील की कि हरेक प्रतिभागी सचेत एवं अटल रहें और अपने सह-कर्मियों को प्रेरणा दें । उन्होंने यह भी सूचित किया कि नेताओं को उनको प्राप्त पुनर्निवेश पर समझौता करके कोई स्टैंड नहीं लेना, यदि यह अलोकप्रिय स्टैंड है तो भी आवश्यक कार्य करने में नहीं डरना चाहिए । उन्होंने जोड़ा, प्रमुख नेता माफ करते हैं, भूल जाते हैं, उनको अपने सह-कर्मियों के प्रति उच्च स्तर उत्साह है और वे आलोचना करने से पहले समझते हैं । महान नेता स्थिति की माँग के अनुसार बदलने के लिए नहीं डरते हैं । "अच्छे मन से काम करना" यह अत्यंत महत्वपूर्ण है ।

ए पी एम में कंपनी द्वारा ली गयी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारियों, विशेषतः माई सिटी कार्यक्रम के बारे में प्रस्तुतीकरण भी किया गया । आगे गुणवत्ता धारणा, लागत में कमी, ग्राहक सेवा, बाज़ार शेयरों की वृद्धि, मानव संसाधन में स्थिति और नवाचार जैसे मामलों पर चर्चा हुई ।

शाम को आयोजित पुरस्कार समारोह में वर्ष के दौरान उत्तम निष्पादन रखे अधिकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए । ए पी एम का मुख्यातिथि था श्री खालिल मुखडिक्, महा प्रबंधक, रेनाटा (बंगलादेश में एचएलएल का वितरक) ।

इस तीन दिवसीय मीट के अंतिम समारोह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने एचएलएल के सभी प्रयासों में उत्कृष्टता की आवश्यकता तथा स्पष्टता, आत्मविश्वास एवं दृढ़विश्वास के साथ कंपनी के हरेक कर्मचारी काम करने पर बल दिया । बाद में, हमारे चिंतन, भूमिका, रणनीति एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया, हमारे निर्णयों पर भविष्य के प्रभाव और हमें पहुँच जाने का अंतिम गंतव्य जैसे व्यवसाय के उद्देश्य पर हमें स्पष्टता होना चाहिए । टीम के बीच में आपसी विश्वास होना चाहिए । साथ ही रणनीति, व्यापार की योजना एवं प्रत्येक द्वारा लिये फैसले के बारे में आश्वस्त होना चाहिए । यहाँ सर्व प्रमुख है-प्रत्येक के मन में यह विश्वास उदित होना चाहिए कि वह खुद एचएलएल का मालिक है । हमारे उद्देश्य, निर्णय और सफलता में दृढ़ विश्वास होना अत्यंत अपेक्षित है । अंत में उन्होंने उत्तम क्षमता और अच्छे दिल से काम करने का आह्वान भी किया ।

कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों के लैंगिक उत्पीड़न पर निवारण समिति

(रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013)

स्त्री शक्ति है, लेकिन आज उसको समाज के सभी कोनों से विविध प्रकार की समस्याओं का सामना करना पडता है। छोटी हो या बडी वह पुरुष के लैंगिक चेष्टा का उपकरण मात्र बन गयी है। घर या कार्यालय कहीं भी वह सुरक्षित नहीं है। स्त्री-पुरुष समत्व कहने में मात्र नहीं करनी में भी होनी चाहिए।

कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ चल रहे उत्पीड़नों को रोकने के लिए निवारण मार्गदर्शी सिद्धान्तों को विनिर्देशित करके केंद्र सरकार ने कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013) पारित किया ।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 14,15, 21 के अनुरूप और 1989 में यु.एन द्वारा पारित महिलाओं के खिलाफ के विवेचन उन्मूलन करार भारत द्वारा स्वीकार करने के फलस्वरूप और राजस्थान राज्य के विशाखा मुकदमे पर सुप्रीम कोर्ट के मार्गनिर्देश के अनुसार कार्यस्थल पर स्त्रियों के खिलाफ चल रहे अतिक्रमणों को रोकने के लक्ष्य के साथ सांसद के दोनों सदनों को पारित करके राष्ट्रपति द्वारा 22.4.2013 को हस्ताक्षर करके 9.12.2013 को यह नियम लागू किया गया ।

उद्देश्य एवं व्याप्तियाँ

यह नियम भारत के सभी राज्यों के लिए लागू है । भारत सरकार के कार्यालयों, शैक्षिक संस्थान, अस्पताल, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सार्वजनिक उपक्रम में काम करने वाले महिलाओं और कारोबार के सिलसिले में विविध आवश्यकताओं के लिए आने वाली अन्य स्त्रीयाँ भी इस नियम की सीमा में आ जाएगी जो इस नियम की विशेषता है । घरों में काम करने वाली महिलाओं को भी इस नियम की सीमा में शामिल की गयी है । स्त्रीयों के रोज़गार स्थायी या अस्थायी या करार पर या दैनिक मज़दूरी के है इस के फरक के बिना स्त्रीयों को नियम के अनुसार अधिकार होगा ।

इस नियम की तीसरी धारा के अनुसार कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न को रोका गया है। लैंगिक स्वभाव के शारीरिक स्पर्श, बातचीत, लैंगिक तज़वीरें दिखाना आदि अस्वागत सभी कार्य को यौन उत्पीड़न के अंतर्गत शामिल किया गया है । यानी महिलाओं को उनके कारोबार से संबंधित मामलों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से दखल अंदाज़ करना, महिलाओं के कारोबार में अनावश्यक रूप से शामिल करना, रोज़गार के विरुद्ध प्रतिकूल वातावरण सूचित करना और महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित बेईमान कार्य भी लैंगिक उत्पीड़न की सीमा में अपराध माना जाएगा ।

एचएलएल - निगमित मुख्यालय में आयोजित कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीडन निवारण समिति की बैठक में भाषण देती है, श्रीमती एस. श्रीकुमारी, सचिव, एसएमएसएस हिंदु महिला मंदिरम, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम।

समिति का गठन

कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने के उद्देश्य के साथ संगठन के स्वामी, या सरकारी स्थापना के उच्च अधिकारी द्वारा आंतरिक शिकायत समिति गठित की जानी चाहिए । स्थापना को यूनिट या शाखा है तो वहाँ भी इस तरह की समिति गठित की जानी है । शिकायत उच्च अधिकारी के खिलाफ होने के संदर्भ में उसके बारे में जाँच पड़ताल करने के लिए जिला अधिकारी द्वारा स्थानीय शिकायत समिति जिम्मेदार है। आंतरिक शिकायत समिति में एक अध्यक्ष और कर्मचारियों के बीच से कम से कम दो सदस्य होना चाहिए । अध्यक्ष उस कार्यालय के उच्च पदवी की महिला होनी है । सदस्यों को चुनते समय यह ध्यान देना चाहिए कि महिलाओं के समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध या सामाजिक कार्यकलापों से संबद्ध रखनेवाले या विधि के ज्ञान रखनेवाले को प्रमुखता देना है । स्थानीय शिकायत समिति में अध्यक्षा सहित अधिकतम लोग महिलाएं होनी है और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के एक प्रतिनिधि भी होनी है । समिति में एक गैर सरकारी सदस्य भी होनी चाहिए ।

शिकायत और कार्यप्रणाली

कार्यस्थल के लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित शिकायत, घटना होने के तीन महीने के अंतर्गत संबंधित समिति में प्रस्तुत करना है ।

परिवादी को अपने शिकायत प्रस्तुत करने में कोई मानसिक या शारीरिक कठिनाई है तो उनकी तरफ से उनके रिश्तेदार, मित्र या सहकर्मी, वनिता कमीशन अधिकारी परिवादी की सहमति से शिकायत दे सकती है। इसके अलावा परिवादी को मानसिक समस्याएँ होने की स्थिति में उनके इलाज करनेवाले मनोचिकित्सक, मनोविज्ञानी, अभिभावक आदि परिवादी की तरफ से शिकायत दे सकता है। यदि उत्पीडित महिला की मृत्यु हुई है तो इस घटना के संबंध में जाननेवाले कोई भी मृत्यु हुई स्त्री के वारिज़ों के अनुमति के साथ शिकायत दे सकता है।

लैंगिक उत्पीडन से संबंधित इस तरह के शिकायतों को समझौता करने के लिए भी इस नियम के अधीन प्रावधान है। लेकिन परिवादी को नकद देकर समझौता न करने का आदेश भी है। यदि विपक्षी कार्यरत है तो उनके लिए लागू सेवानियमों सीडीए के अनुसार जाँछ-पडताल करना है।

दंड व्यवस्था

शिकायत समिति के विचारार्थ रहते समय परिवादी या विपक्षी को दूसरे स्थान पर स्थानांतरण माँगा जा सकता है। इसके साथ-साथ धारा 9 के अनुसार समिति नियोक्ता से अपराधी के खिलाफ कार्रवाई लेने का निर्देश दे सकेगी। सेवा नियम है तो उसी के अनुसार कार्यवाही की जाएगी। यदि परिवादी की शिकायत गलत साबित हुई है तो परिवादी के खिलाफ भी कार्यवाही कर सकती है।

अधिनियम के प्रावधानों के साथ गैर अनुपालन के लिए दंड

यदि नियोक्ता अधिनियम के प्रावधानों के साथ अनुपालन करने में असमर्थ होने पर 50,000/- तक जुर्माना के दंड दे सकता है।

एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी में महिलाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम।

किसी समाज, देश या राष्ट्र का भविष्य बच्चों पर निर्भर है। बच्चों से हम बहुत उम्मीद भी करते हैं। अतः सभ्यता से संपन्न युवा पीढी का निर्माण करना हरेक की जिम्मेदारी है, फर्ज है। इसके लिए आवश्यक है बच्चों को सुव्यवस्थित प्रशिक्षण देने यानी मानसिक और शारीरिक तौर पर उत्साह प्रदान करने लायक प्रशिक्षण । इस दृष्टि से हम भी कंपनी के कर्मचारियों के बच्चों केलिए हर साल 'बालशिबिरम' धूम-धाम से आयोजित कर रहे हैं।

कंपनी के रिक्रियेषन क्लब और हिंदी विभाग के संयुक्त नेतृत्व में निगमित मुख्यालय के अतिथि गृह में 2014 मार्च 29 और 31 को बालशिबिरम आयोजित किया गया । इस बार का विषय था "मज़े के साथ हिंदी सीखें"।

बालशिबिरम का उद्घाटन एचएलएल के आदरणीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन ने किया। उन्होंने अपने भाषण में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर नज़र डाला। उन्होंने जोडा कि बालशिबिरम से हमारा उद्देश्य है बच्चों को एक साथ मिलने, पहचानने और उनके बीच में मित्रता स्थापित करने केलिए अवसर प्रदान करना। आगे उन्होंने बच्चों से कहा कि पढाई के साथ - साथ गीत, चित्ररचना, नृत्य जैसे अन्य कार्यकलापों में भी सक्षम बन जाना। । हमेशा बडे-बडे सपना देखना , वास्तव में यह सपना ही हरेक को आगे ले जाता है। सपनों के बिना कोई भी नहीं जी सकता।

समारोह में उपस्थित डॉ. के.आर.एस. कृष्णन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) एवं डॉ. बाबु तोमस, निदेशक (विपणन) ने आशीर्वाद भाषण दिया। श्री पी. श्रीकुमार, कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त) और श्री विश्वनाथन नायर, अफसर ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता अदा किया। इस अवसर पर श्री जी.सतीशकुमार, सीईओ (जीएपीएल), श्री गणेशन, उपाध्यक्ष (वित्त), श्री के. विनयकुमार, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), श्रीमती सरस्वती देवी, सह उपाध्यक्ष और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दो दिवसीय बालशिबिरम के पहले दिन में यानी 29 मार्च, पूर्वाह्न के सत्र में श्री अरविंदन द्वारा चित्ररचना का क्लास चलाया गया। आगे दुपहर और 31 के पूर्वाह्न के सत्र में एचएलएफपीपीटी के श्री बेबी प्रभाकर और श्री तोमस ने बच्चों को मानसिक उत्साह प्रदान करने लायक विभिन्न कार्यकलाप किया, जिन में बच्चों की खूब भागीदारी हुई। दुपहर के सत्र में जादूगर इद्रा अजित ने बच्चों के सामने विविध इन्द्रजाल प्रस्तुत किये और बच्चों को कुछ आइटम सिखाया। अंतिम सत्र में बच्चों को हिंदी गाने, कविता, राष्ट्रगीत, हिंदी में गिनना, पक्षियों और पशुओं, अंगों के नाम आदि पर परिचय दिया। यह बच्चों केलिए एकदम आकर्षक एवं उत्साह वर्धक रहा। बालशिबिरम में भाग लिये सभी बच्चों को कुछ पठन सामग्रियाँ और मिठाइयाँ भी वितरित किये गये । 4 से 14 साल तक के 47 बच्चों ने बालशिबिरम में भाग लिये।

रिक्रियेशन क्लब के कार्यकलाप

नव वर्ष समारोह

क्लब के वार्षिक समारोह

एचएलएल-आक्कुलम फैक्टरी के रिक्रियेशन क्लब - चियेर्स द्वारा आयोजित कुडुम्बसंगमम।

अखबारों में एक नज़र

JANMABHUMI

രാജഭാഷാ സെമിനാർ നടത്തി

NEW AGE

രാജഭാഷാ സെമിനാർ

VARTHAMANAM

MATHRUBHUMI

ഭാഷാ സെമിനാർ

രാജഭാഷാ സെമിനാർ

KERALA KAUMUDI

उपलब्धियाँ

टोलिक पुरस्कार

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र के सर्वोत्कृष्ट स्थान पर आने वाले कार्यालयों केलिए लगाये गये टोलिक पुरस्कारों के लिए इस वर्ष भी एचएलएल हकदार बन गया। वर्ष 2012-13 के दौरान उत्कृष्ठ राजभाषा कार्य निष्पादन के सिलसिले में सार्वजनिक उपक्रमों के बीच में टोलिक राजभाषा वैजयंजी और श्रेष्ठता प्रमाण पत्र (प्रथम स्थान) कंपनी को प्राप्त हुआ। इसके अलावा सार्वजनिक उपक्रमों के बीच में एचएलएल की राजभाषा पत्रिका "समन्वया" को टोलिक का उत्कृष्ट गृह पत्रिका पुरस्कार मिला। यह भी नहीं उपक्रमों के बीच में "सर्वोत्तम उपक्रम" तथा सभी उपक्रम और केन्द्र सरकारी कार्यालयों के बीच में "समग्र निष्पादन सर्वजेता" की चल वैजयती केलिए भी एचएलएल चुन लिये गये। ये पुरस्कार एचएलएल के कंपनी सचिव एवं उपाध्यक्ष (वित्त), श्री पी. श्रीकुमार और एचएलएल के सभी पुरस्कार विजेताओं ने एक साथ मिलकर सम्माननीय मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्रीमती शांति.एस.नायर से हासिल किया। समारोह में डॉ. वी.के.जयश्री, उप महा प्रबंधक (हिंदी), डॉ. सुरेष कुमार. आर, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) और श्रीमती आशा.एम, कनिष्ठ अधिकारी (हिंदी) उपस्थित थे। इस अवसर पर टोलिक द्वारा चलायी गयी प्रतियोगिताओं के एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के विजेताओं - श्री एन.नंदकुमार, एमजी.4 (गीत गायन- दूसरा स्थान), श्रीमती शैलजा. के.एस, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (कविता पाठ - द्वितीय स्थान), श्री अजीत कुमार एम जी 5, श्री एम. सुभाष बाबु, कनिष्ठ अधिकारी, श्री राधाकृष्णन नायर, सहायक प्रबंधक, श्रीमती जयमणी, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, श्रीमती एस.वी.बानु, वरिष्ठ प्रबंधक (देशभक्ति गीत - द्वितीय स्थान) - को भी विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये।

प्रोफेशनल लीडरशिप अवार्ड

डॉ.एम.अय्यप्पन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एचएलएल को 4 नवंबर 2013 को कोच्चि, केरल, भारत में डी सी बुक्स द्वारा संस्थापित एमेर्जिंग केरला बिज़नज़ कनक्लेव & अवार्ड 2013 में श्री शिव खेरा, प्रसिद्ध लेखक और प्रेरक वक्ता से प्रोफेशनल लीडरशिप अवार्ड प्राप्त हुआ है।

सुरक्षा पुरस्कार

कनगला फैक्टरी बेलगाम यूनिट राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, कर्नाटक चैप्टर द्वारा बडे उद्योगों के बीच में वर्ष 2012- 2013 केलिए लगाए उन्नत सुरक्षा पुरस्कार के लिए हकदार बन गया।

13 सितंबर , 2013 को बैंगलूर, भारत में आयोजित समारोह में श्री के. वी. कामत, यूनिट मुख्य और श्री पी.एम.वरेल , उप महा प्रबंधक (सुरक्षा) एचएलएल को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महा निदेशक श्री वी.बी संत और श्री बी.एस. रामचंद्रा, फैक्टरियों के निदेशक, बॉयलर, औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य की उपस्थिति में पुरस्कृत किया गया।

एसएपी पुरस्कार

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड को सार्वजनिक सेवा और नेशनल बिल्डिंग में एसएपी स्वलूशन लेवलिंग केलिए प्रतिष्ठित एसएपी एसीई विशेष मान्यता पुरस्कार प्राप्त हुआ। 17 अक्तूबर, 2013 को होटल हयात रीजेंसी मुबंई में आयोजित समारोह में श्री सुप्रकाश चौधरी, प्रबंध निदेशक - एसएपी भारत से श्री एल. अजितकुमार, सह उपाध्यक्ष (आई टी) ने पुरस्कार प्राप्त कर लिया।

लेख प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत लेख

चरित्र बल

आर. गीता देवी
एचएलएल - एएफटी

चरित्र बल अर्थात् चरित्र की यत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए। धन तो आता है, चला जाता है। धन से क्षीण हुआ मनुष्य क्षीण नहीं होता, पर जिस मनुष्य का चरित्र नष्ट हो जाता है वह तो नष्ट ही है। चरित्र का संबंध व्यक्ति के आचरण, व्यवहार, स्वभाव, शील, चाल - चलन, कार्यकलाप तथा उसके संपूर्ण व्यक्तित्व से है। किसी ने सच कहा है " चरित्र आदतों का समूह है" व्यक्ति की आदतें चाहे वे किसी भी प्रकार की हो, उसके चरित्र का द्योतक है, व्यक्ति के मित्र, उसके वेशभूषा, उसका खान-पान, उसका रहन-सहन आदि सभी कुछ चरित्र की परिधि में समाहित हो जाता है।

चरित्र का दूसरा नाम " सदाचार" भी है चरित्र ही मनुष्य का सबसे बडा धन है। चरित्र वह शक्ति है जिसके द्वारा व्यक्ति धन, यश तथा सुख का मार्ग प्रशस्त करता है। किसी भी समाज अथवा राष्ट्र की शक्ति का मूल आधार उसके नागरिकों का चरित्र ही है। देश के नागरिकों के चरित्र से ही राष्ट्रीय चरित्र निर्मित होता है। चरित्र-बल व्यक्ति को यदि उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त करता है, तो चरित्रहीनता उसे पतन के गर्त में ढकेलती है। जीवन के समस्त वैभव, ऐश्वर्य, समृद्धि तथा गुणों की आधारशिला चरित्र बल है।

चरित्रवान व्यक्ति यदि किसी समाज या राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होते हैं तो चरित्रहीन नागरिक उसके लिए अभिशाप । चरित्रवान बनाने केलिए व्यक्ति को सुशिक्षा सत्संगति – तथा आत्मविश्वास की आवश्यकता पड़ती है। चरित्र - बल से व्यक्ति में आत्मिक बल की सृष्टि होती है तथा वह जीवन पथ पर अनवरत बढता हुआ अपने लक्ष्य को अनायास ही प्राप्त कर लेता है। चरित्र बल वह बल है जिसके समक्ष संसार की कोई शक्ति नहीं ठहर सकती चरित्र बल ही व्यक्ति को प्रतिकूल से प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपार साध्य धैर्य, उत्साह तथा प्रेरणा देता है।

आज संसार में जो राष्ट्र इतने उन्नत एवं समृद्ध दिखाई देते हैं, उनकी उन्नति का आधार है वहाँ के निवासियों का चरित्र। यदि छोटे से देश जापान को ही उदाहरण लें तो यह भलीभाँति स्पष्ट हो जाता है कि वहाँ के निवासियों में राष्ट्र प्रेम, कर्मठता, सत्यनिष्ठा , ईमानदारी, परिश्रमशीलता समयनिष्ठा तथा स्वाभिमान की भावनाएं कूट-कूट कर भरी हैं। छोटा- सा देश जापान जो द्वितीय विश्व युद्ध में परमाणु बम के प्रहार से ध्वस्त सा हो गया था। चरित्र - बल के कारण ही आज पुनः विश्व में अपना स्थान बनाने में सफल हो सका है। इसके विपरीत यदि हम अपने देश का उदाहरण लें तो सिर लज्जा से झुक जाता है। जिस देश में मर्यादा पुरुषोत्तम राम , लोकनायक कृष्ण, स्वामी विवेकानंद, शिवाजी, राणा प्रताप, महात्मा गांधी, सारी चरित्रवान व्यक्तियों ने जन्म लिया उसी देश के निवासियों का चरित्र बल लगभग शून्य हो गया है। आज नैतिक मूल्यों से हीन होकर अपनी प्राचीन गौरवशाली परम्परा के नाम को कलंकित कर रहा है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने पूर्वजों के चरित्र का अनुसरण करें तथा गौतम बुद्ध, गुरुनानक, दयानंद सरस्वती जैसे अनेक युगपुरुषों के जीवन से प्रेरणा पाकर चरित्रवान बनने का प्रयत्न करें, हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि चरित्र बल से विभूषित व्यक्ति ही राष्ट्र के उन्नायक होते है भूतकाल में जब हम अपने चरित्र बल खो बैठे थे तो सैकडों वर्षों तक पराधीनता की बेडियों में जकडे रहकर गुलामी का अभिशाप सहने पर विवश हो गए थे, स्वाधीनता को संघर्ष में जब हमने राष्ट्रीय चरित्र का विकास किया तो पराधीनता की उन श्रृंखलाओं को तोडने में भी सक्षम रहे थे। आज पुनः उसी चरित्र - बल के निर्माण की आवश्यकता है जिससे एक बार फिर हम भारत को विश्व का सिरमौर बना सकें।

होली : रंगों का त्योहार

कुमार विनायक लक्ष्मण काकतिकार
श्री लक्ष्मण भरमू काकतीकार कनगला
फैक्टरी, बेलगाम का सुपुत्र

होली हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है । यह मौज-मस्ती व मनोरंजन का त्योहार है। सभी हिंदु जन इसे बडे ही उत्साह व सौहार्दपूर्वक मनाते हैं। यह त्योहार लोगों में प्रेम और भाईचारे की भावना उत्पन्न करता है ।

होली का पर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है । इस पर्व को धार्मिक, पौराणिक व सामाजिक महत्व है । इस त्योहार को मनाने के पीछे यह पौराणिक कथा प्रसिद्ध है । प्राचीनकाल में हिरण्यकशिपु नामक असुर राजा ने ब्रह्मा के वरदान तथा अपनी शक्ति से मृत्युलोक पर विजय प्राप्त कर लिया और स्वयं को अजेय समझने लगा । सभी जन भय के कारण उसे ईश्वर के रूप में पूजते थे परन्तु उसका पुत्र प्रहलाद भगवान विष्णु पर आस्था रखने वाला था । जब उसकी ईश्वर भक्ति को खंडित करने के सभी प्रयास असफल हो गए तब हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका को यह आदेश दिया कि वह प्रहलाद को गोद में लेकर जलती हुई आग की लपटों में बैठ जाए क्योंकि होलिका को आग में न जलने का वरदान प्राप्त था । परन्तु प्रहलाद के ईश्वर पर दृढ-विश्वास से उसका बाल भी बांका न हुआ, पर स्वयं होलिका ही जलकर राख हो गई । तभी से होलिका दहन परम्परागत रूप से हर फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है ।

होलिका दहन के दिन रंगों की होली होती है जिसे दुल्हैडी भी कहा जाता है । इस दिन बच्चे, बूढ़े और जवान सभी आपसी बैर भुलाकर होली खेलते हैं । सभी होली के रंग में सराबोर हो जाते हैं । वे एक दूसरे पर रंग डालते हैं तथा गुलाल लगाते हैं । बृज की परम्परागत होली तो विश्वविख्यात है जिसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं । इस दिन चारों ओर रंग बिरंगे चेहरे दिखाई पड़ते हैं। पूरा वातावरण ही रंगीन हो जाता है । दोपहर बाद सभी नए वस्त्र धारण करते हैं । अनेक स्थानों पर होली मिलन समारोह आयोजित किए जाते हैं । इसके अतिरिक्त लोग मित्रों व संबंधियों के पास जाकर उन्हें गुलाल व अबीर का टीका लगाते हैं तथा एक दूसरे के गले मिलकर शुभकामनाएँ देते हैं ।

होली का त्योहार प्रेम और सद्भावना का त्योहार है परंतु कुछ असामाजिक तत्व प्रायः अपनी कुत्सित भावनाओं से इसे दूषित करने की चेष्टा करते हैं । वे रंगों के स्थान पर कीचड़, गोबर अथवा वार्निश आदि का प्रयोग कर वातावरण को बिगाड़ने की चेष्टा करते हैं । कभी-कभी शराब आदि का सेवन कर महिलाओं व युवतियों से छेड़छाड़ की कोशिश करते हैं । हमें ऐसे असामाजिक तत्वों से सावधान रहना चाहिए । आवश्यकता है कि हम सब एकजुट होकर इसका विरोध करें ताकि त्योहार की पवित्रता नष्ट न होने पाए ।

होली का पावन पर्व यह संदेश लाता है कि मनुष्य अपने ईष्या-द्वेष तथा परस्पर वैमनस्य को भुलाकर समानता व प्रेम का दृष्टिकोण अपनाएं । मौज मस्ती व मनोरंजन के इस पर्व में स्वयं हँसी-खुशी में सम्मिलित हो तथा दूसरों को भी सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करें । यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत है । हम सभी का यह कर्तव्य है कि हम इसकी मूल भावना को बनाए रखें ताकि भावी पीढियाँ गौरवान्वित हो सकें ।

मुलाकात

यह दो साल पहले घटित एक अजीब सी कहानी है। राम अपने भाई राज को काम के लिए दिल्ली ले गया। वहाँ उसे गाड़ी की दुकान में काम मिला। राम छब्बीस साल का है, बहुत अच्छा लडका है, न्याय के लिए अपना जीवन त्याग करने के लिए भी तैयार है। लेकिन उसका भैया राज काम छोड़कर दिल्ली से अपने गाँव में वापस आया। एक दिन एक अजीब घटना राम की जिंदगी में हुआ ।

दोपहर 2 बजे का समय था, एक आदमी दौड़कर राम के पास आया। राम ने पूछा, "क्या हुआ भाई, मैं आपकी मदद करूँ? आदमी ने कहा, "हाँ भाई, मेरी पत्नी को अस्पताल ले जाना है। मेरे पास गाड़ी नहीं है। आपके पास है तो मुझे दीजिए मैं जाकर आऊँगा। रामने अपने मैनेजर से पूछा। लेकिन वह गाड़ी देने केलिए तैयार नहीं था। रामने कुछ समय सोचने के बाद कहा, कोई बात नहीं, मेरे पास अपने एक दोस्त की गाड़ी है, मैं भी साथ आऊँगा।

रास्ते में उस आदमी की पत्नी की हालत बुरी हो गई, वह परेशान हो गया। आगे रास्ते में किसी दल का जत्था चल रहा था जिससे दो चार आदमियों ने गाडी रोका। बेचारे आदमी ने कई बार उन लोगों से कहा, लेकिन किसी ने नहीं माना। रामने उठकर उन लोगों से बातें की। उस आदमी ने राम पर हाथ उठाया और राम ने उन लोगों को मारा। ये सब और एक घटना का आरंभ था। लोगों ने उनके नेता से कहा।

इसके बीच राम को एक लड़की से प्यार हुआ, नाम है सीता। सीता भी राम से प्यार करती थी। इस समय गाँव से राज दिल्ली आया। दिल्ली आकर राज भी उसी दाबा में आया। उस समय नेता और उनके साथी वहाँ आकर दाबे के मालिक को मारा। राज ने जल्दी ही नेता को रोका। नेता ने क्रोध से राज पर हाथ उठाया तब उसे पता चला कि राज उसके बचपन का दोस्त था। दोनों ने एक दूसरे को पहचाना और नेता राज को अपना घर ले गया। दोनों खुश हो गये। राज ने नेता से अपने छोटा भाई के बारे में कहा। नेता को पता भी नहीं था कि राम राज का छोटा भाई है ।

राज राम के पास गया। राम ने सीता को राज से मिलवाया। राज ने अपने दोस्त के बारे में कहा। कुछ दिनों के बाद मंदिर जाते समय वहाँ राम और नेता के लोगों के बीच में झगड़ा हुई। तब राज को पता चला कि नेता का दुश्मन अपना भाई है। उसी दिन राज ने नेता से मिलकर अपना छोटा भाई राम के बारे में कहा।

अगला दिन माफ़ी माँगने के लिए राज राम को नेता के घर ले गया। नेता राम को देखकर चकित हुआ। तब नेता ने कहा कि "राम मेरा भगवान है। मुझे पता नहीं था इसे मैं दुश्मन समझता था।" "तुम्हें क्या हुआ दोस्त?" राज ने आश्चर्य से पूछा। नेता ने कहा "चार साल पहले हम तुम्हारे गाँव आये थे। मेरी पत्नी को वहाँ एक दुर्घटना हुई थी। तब मैं उसके साथ नहीं था। उस समय तुम्हारे भाई ने उसे अस्पताल लेकर रक्त और पैसा भी दिया। उस के बाद आज इसे देखता है। उस दिन उसके साथ घर आये थे तो शायद हमारी मुलाकात पहले ही हुई होगी।" नेता ने राम को आलिंगन किया और साथ बैठकर खाना खाकर उसे घर छोड़ दिया। छह महीने के बाद राज की और बाद में राम और सीता की शादी गई।

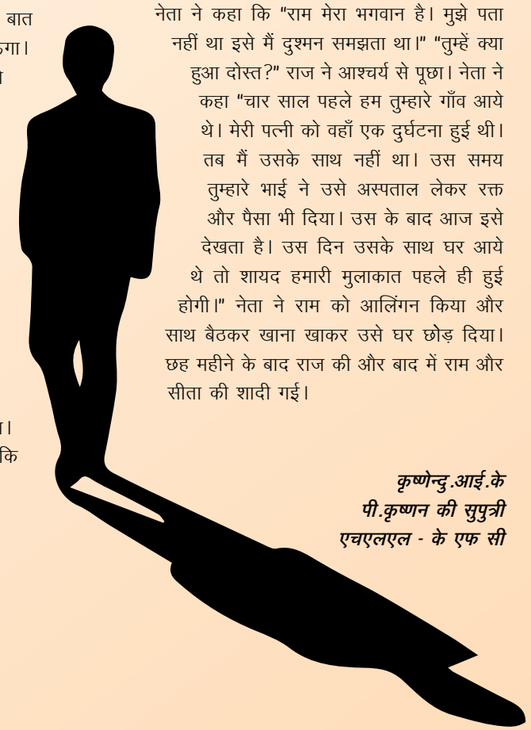

कृष्णेन्दु.आई.के
पी.कृष्णन की सुपुत्री
एचएलएल - के एफ सी

श्री पीराजी.वी.पाटील
कनगला फैक्टरी, बेलगाम

एचएलएल गीत

आओ प्यारे मिलकर आओ
एचएलएल के साथी आओ
आओ मिलकर साथ हमारे
जन सेवा हित साँझ सँवारे

एचएलएल नीति का उच्च प्रयोजन
भारत परिवार हित नियोजन
स्वास्थ्य रक्षा का रखे हम ध्यान
एचएलएल का तो यही योगदान

सुंदर परिवार उच्चतम शिक्षा
जन-मन प्रेरित सतत सुरक्षा
राष्ट्र की उन्नति परम ध्येय है
एचएलएल हमारी जन प्रिय संस्थान

उठो उद्यम के सच्चे सेवक
कार्मिक एवं अधिकारी गण हम
बुला रहे हैं लोक हित के जन
हम सब पर निर्भर राष्ट्रीय नियोजन

करे हम राष्ट्रीयता का गुणगान
रखे राजभाषा का मान-सम्मान
अखंड कर्म में रहे रत हम
पार करे प्रगति के अनेक द्वार हम

स्वास्थ्य रक्षा चीडों की विनिर्माण
एचएलएल करेगा पूरे विश्व में विपणन
जनता की स्वास्थ्य रक्षा हमारा योगदान
स्वस्थ पीढ़ियों के लिए नवान्वेषण
भारत देश का होगा जन कल्याण

हार्दिक बधाइयाँ

राष्ट्रभूषण एवार्ड

हिंदी और मराठी भाषा में कविता, लेख एवं निबंध के क्षेत्र में किये कार्यों के सिलसिले में एचएलएल कनगला फैक्टरी के श्री पिराजी वी.पाटील, एम जी-3 को कर्नाटका कला-क्रीडा जन जागृति संस्थान, बैंगलूर की तरफ से राष्ट्रभूषण एवार्ड प्रदान किया गया। बेलगाम के चिकोडी गाँव में आयोजित एक समारोह के अवसर पर कर्नाटका विधान सभा के सदस्य श्री महांतेश कवढगीमढजी के करकमलों से उन्होंने शील्ड एवं नकद पुरस्कार हासिल किया। उनको गोवा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटका, दिल्ली जैसे राज्यों से 40 पुरस्कार और राष्ट्रीय स्तर पर 4 पुरस्कार मिले हैं। वे हिंदी से जुडी सभी कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। एचएलएल द्वारा फैक्टरी में लगाये गये उत्तम कर्मचारी पुरस्कार (वर्ष 2006-07 के दौरान) के लिए भी श्री पिराजी पाटील हकदार बन गया।

गणतंत्र दिवस समारोह

ताज़ा खबर

एचएलएल पेरूरकड़ा फैक्टरी

उत्पादकता सप्ताह

सडक सुरक्षा के प्रति जागरूकता।

एचएलएल - काक्कनाड फैक्टरी

गुणवत्ता आश्वासन प्रश्नोत्तरी के विजेता

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

एचएलएल कनगला फैक्टरी

एड्स रैली

राष्ट्रीय रक्तदान दिवस

रक्त शुगर चेकअप कैंप

गुणवत्ता समारोह

मेडिकल कैंप

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यक्रमों के तहत गाँवों में स्थापित सोलार स्ट्रीट लाइट।

पुरस्कार वितरण पर एक नज़र

टोलिक द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण।

टोलिक के विशेष पुरस्कार योजना का विजेता।

हिंदी प्रबोध परीक्षा उत्तीर्ण हुए श्री एल. के. मनोज को नकद पुरस्कार प्रदान करता है श्री सजीव जोसफ, यूनिट प्रधान, एचएलएल - काक्कनाड फैक्टरी।

टिप्पण और आलेखन प्रोत्साहन योजना के अधीन आये कर्मचारियों के पुरस्कार वितरण।

वाक्पटुता कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कार वितरित करती हैं श्रीमती शांति.एस.नायर, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल।

हिंदी प्रतियोगिताओं में विजयी बन गये कर्मचारियों तथा उनके बच्चे।

हिंदी प्रतियोगिताओं में विजयी बन गये वरिष्ठ अधिकारीगण एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एम.अय्यप्पन से पुरस्कार हासिल करते हैं।

हिंदी में उत्कृष्ट रूप से काम किये अनुभागों (मानव संसाधन, कॉर्पोरेट संचार, आई टी, सचिवालयीन) के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार वितरण।

एमरजेन्सी कॉन्ट्रॉसेप्टिव गोली के प्रेस्क्रिप्शन के लिए अपने डॉक्टर से पूछताछ करें।

एमरजेन्सी कॉन्ट्रॉसेप्टिव गोलियों को नियमित रूप से नहीं लेना चाहिए। इनके हानिकारक प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं।
प्रतिकूल प्रभाव रहित एमरजेन्सी कॉन्ट्रासेप्टिव गोली के प्रेस्क्रिप्शन के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

जनहित में जारीकर्ता

तत्काल - 72

ऑर्मेलोक्सिफेन 60 मिग्रा टैब्लेट्स

केवल प्रेस्क्राइब्ड एमरजेन्सी कॉन्ट्रासेप्टिव

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड